twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 27 जून, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 221, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

अकाली नेता बिक्रम मजीठिया को 7 दिन की पुलिस रिमांड

चंडीगढ़। आय से अधिक संपत्ति मामले में गिरफ्तार अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को विजिलेंस ब्यूरो ने गुरुवार को मोहाली की अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। मजीठिया की अदालत में पेशी के दौरान अकाली दल कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। पुलिस ने मजीठिया के अदालत पहुंचने से पहले बड़ी संख्या में अकाली दल के कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया। इनमें कई पूर्व मंत्री भी शामिल थे। बुधवार रात मजीठिया के वकीलों ने कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद एक घंटे तक उनसे मुलाकात की थी। वकीलों ने कहा कि जिस रिपोर्ट को आधार बनाकर उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया, उसे सुप्रीम कोर्ट पहले ही खारिज कर चुका है। विजिलेंस ने मजीठिया पर आय से अधिक संपत्ति बनाने का केस दर्ज किया है। उन पर 540 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति का आरोप है। टीम इस मामले की पड़ताल कर रही है। गुरुवार को अदालत में पेशी के दौरान विजिलेंस ने तर्क दिया कि यह मनी लॉन्ड्रिंग का बड़ा मामला है। इस बारे में कई अन्य स्थानों पर भी छापेमारी की जाएगी और कई अन्य लोग जांच के घेरे में हैं इसलिए मजीठिया की 12 दिन की रिमांड दी जाए। इसे लेकर अदालत में काफी देर तक वकीलों में बहस चलती रही। करीब दो घंटे तक चली कार्यवाही के बाद अदालत ने मजीठिया को सात दिन की रिमांड पर भेज दिया। अब इस केस की अगली सुनवाई दो जुलाई को होगी।

सीमा पार के आतंकवाद केंद्र अब सुरक्षित नहीं: राजनाथ

आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करना हमारा अधिकार: सिंह

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान किया है। उन्होंने एससीओ देशों के सामने पहलगाम आतंकी हमले और उसके जवाब में शुरू किये गए ऑपरेशन 'सिंदूर' की जानकारी देकर पाकिस्तान के आतंकवाद को बेनकाब किया। उन्होंने भारत की नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि क्षेत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौतियां शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी से संबंधित हैं तथा बढ़ती कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद इन समस्याओं का मूल कारण हैं। चीन की मेजबानी में इस बार एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक किंगदाओ में हो रही है। उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए राजनाथ सिंह गए हैं। सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों, एससीओ महासचिव, एससीओ के क्षेत्रीय आतंकवाद निरोधक ढांचे (आरएटीएस) के निदेशक और अन्य प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को अपनी नीति के रूप में इस्तेमाल करके आतंकवादियों को पनाह देते हैं।

ऐसे दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए और एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले के जवाब में आतंकवाद से बचाव और सीमा पार से होने वाले हमलों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू किया।

उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के दौरान पीड़ितों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मार दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र से घोषित आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली थी।

गलवान घाटी के संघर्ष के बाद रक्षा मंत्री की यह पहली चीन यात्रा थी

गलवान घाटी के जून, 2020 में संघर्ष के बाद रक्षा मंत्री की यह पहली चीन यात्रा थी। राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों पक्षों ने भविष्य में सीमा पर तनाव से बचने के लिए भारत-चीन हॉटलाइन को फिर से शुरू करने की संभावना सहित सैन्य संचार तंत्र पर चर्चा की। हालांकि, कोई बड़ी बातचीत नहीं हुई। लेकिन इस बैठक को इस बात का संकेत माना गया कि तनाव के बावजूद बातचीत का रास्ता खुला है। एससीओ शिखर सम्मेलन में भारत ने चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव पहल का समर्थन करने वाली भाषा का समर्थन करने से इनकार कर दिया।

आतंकवाद के मुद्दे पर डॉक्यूमेंट पर हस्ताक्षर करने से भारत का इनकार

नई दिल्ली

चीन के किंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने गए राजनाथ सिंह ने एससीओ संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं। इसके पीछे उनका तर्क है कि आतंकवाद के मुद्दे पर चीन और पाकिस्तान ने हमेशा सख्त रुख अपनाने के बजाय नरम रवैया अपनाया है। यह मतभेद इसलिए भी था, क्योंकि मसौदे में आतंकवाद को ठीक तरीके से परिभारित नहीं किया गया था।

रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के लिए पाकिस्तान समर्थित समूहों को दोषी ठहराया, जिसमें 26 नागरिक मारे गए। इसके जवाब में भारत ने ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू करके सैन्य प्रतिक्रिया दी। उनके इस बयान ने भारत के दृढ़ आतंकवाद विरोधी रुख, एससीओ से कार्रवाई की मांग और रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले का पैटर्न भारत में लश्कर के पिछले आतंकवादी हमलों से मेल खाता है।

भारतीय अधिकारियों के अनुसार इस बयान पर हस्ताक्षर करने से आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा पर भारत की स्थिति कमजोर हो जाती। यह मतभेद इसलिए भी था, क्योंकि मसौदे में आतंकवाद को ठीक तरीके से परिभाषित नहीं किया गया था। राजनाथ सिंह का कहना था कि दस सदस्यीय समूह में पाकिस्तान, चीन और रूस भी शामिल हैं, लेकिन इन देशों ने कोई अंतिम घोषणा पत्र नहीं जारी किया।

आतंक के केंद्र को निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे: सिंह

राजनाथ ने कहा कि कहा कि आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करना हमारा अधिकार है। हमने दिखाया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे। राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के हर कृत्य को आपराधिक और अनुचित करार दिया।

उन्होंने कहा कि एससीओ सदस्यों को इस बुराई की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने की भारत की प्रतिबद्धता जताई। रक्षा मंत्री ने युवाओं में कट्टरपंथ का प्रसार रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आह्वान किया। राजनाथ सिंह ने सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए ड्रोन सहित इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक का मुकाबला करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य में एससीओ की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए रक्षा मंत्री ने मध्य एशिया के साथ संपर्क बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

महिला कमा रही इसलिए गुजारा भत्ता देने से इनकार नहीं कर सकते: कोर्ट

मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि यदि कोई महिला कामकाजी है, तो भी उसे अपने अलग रह रहे पति से गुजारा भत्ता पाने का हक है। कोर्ट ने कहा कि महिला को उसी जीवन स्तर का अधिकार है, जो वह शादी के दौरान अपने पति के साथ जी रही थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस मंजुषा देशपांडे की पीठ ने 18 जून को दिए गए आदेश में कहा कि सिर्फ इस वजह से कि महिला कमा रही है, उसे पति की आर्थिक मदद से वंचित नहीं किया जा सकता।

सिंधु जल संधि: पानी कहीं नहीं जाएगा- पाटिल

नई दिल्ली

सिंधु जल संधि पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा, 'यह फैसला भारत सरकार और प्रधानमंत्री का है। संधि स्थगित होने के बारे में कोई अपडेट नहीं है। जो भी फैसला लिया जाएगा, उससे देश को ही फायदा होगा। संधि पर बिलावल भुट्टो के कथित बयान पर पाटिल ने कहा, 'पानी कहीं नहीं जाएगा, वह जो कहते हैं, वह उनका अपना सवाल है। हम झूठी धमकियों से नहीं डरते। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने बेफिजूल बयान देते हुए कहा था कि यदि भारत सिंधु जल संधि के तहत इस्लामाबाद को पानी का उचित

हिस्सा देने से इनकार करता है, तो उनका देश युद्ध की ओर बढ़ेगा। दरअसल, पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के तुरंत बाद भारत ने 1960 के समझौते को स्थगित कर दिया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले हफ्ते इस ऐतिहासिक समझौते को कभी बहाल न करने की घोषणा की थी।

कब और किसके बीच हुई थी संधि

भारत और पाकिस्तान के बीच में सिंधु जल संधि पर 19 सितंबर 1960 को कराची में हस्ताक्षर हुए थे। समझौता सिंधु नदी और इसकी सहायक नदियों के पानी के इस्तेमाल को लेकर हुआ था। विश्व बैंक की तरफ से पहल के बाद समझौते करने के लिए भारत-पाकिस्तान के बीच अलग-अलग स्तर पर 9 साल तक बात चली थी। भारत की तरफ से प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान की तरफ से राष्ट्रपति मोहम्मद अयूब खान ने संधि पर हस्ताक्षर किए थे।

शुभांशु तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ पहुंचे आईएसएस

नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया है। अंतरिक्ष यान करीब 28.5 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून गुरुवार को भारतीय समय के अनुसार शाम करीब 4:05 बजे आईएसएस से जुड़ा। ड्रैगन कैप्सूल पहले से तय समय से 20 मिनट पहले डॉक हुआ है। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने बुधवार दोपहर 12:01 बजे एक्सिओम-4 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से आईएसएस के लिए सफल उड़ान भरी थी। स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल की सफल डॉकिंग पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, बधाई हो...एक्सिओम-4 डॉकिंग सफल रही। शुभांशु अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के द्वार पर खड़े हैं। भीतर कदम रखने के लिए तैयार, 14 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा शुरू होने वाली है..और पूरा विश्व उत्साह और अपेक्षा के साथ देख रहा है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफल उड़ान भरने के साथ ही नया इतिहास रच दिया। तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ रवाना हुए शुभांशु की यह यात्रा 41 साल बाद किसी भारतीय की पहली अंतरिक्ष यात्रा है। आईएसएस की यात्रा करने वाले वह पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं। उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा रूसी अंतरिक्ष यान सोयूज के जरिये अंतरिक्ष में गए थे।

एग्जियोम मिशन में क्या होगी शुभांशु शुक्ल की भूमिका?

आईएसएस भेजे जा रहे हैं। यानी जिस ड्रैगन कैप्सूल के जरिए एग्जियोम-4 मिशन को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) रवाना किया।

भारत में 14 लाख बच्चों का नहीं हुआ टीकाकरण: रिपोर्ट

लैंसेट रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा; खसरा और पोलियो जैसी बीमारियां बढ़ने का खतरा

नई दिल्ली

भारत में 14 लाख बच्चे ऐसे थे, जिनको जीवन रक्षक डीटीपी वैक्सीन की एक भी डोज नहीं लगी। इस बात का खुलासा मेडिकल जर्नल लैंसेट की एक नई रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में दुनियाभर में 1.57 करोड़ बच्चों को ये वैक्सीन नहीं लगी और आधे से ज्यादा जीरो डोज बच्चे सिर्फ 8 देशों में हैं। इनमें भारत, पाकिस्तान, नाइजीरिया, ब्राजील, इंडोनेशिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो, सूडान और सोमालिया शामिल हैं। रिपोर्ट की अगर मानें तो इन देशों में लंबे समय से स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए निवेश में कमी, राजनीतिक अस्थिरता और शिक्षा की भी कमी बताई गई। टीकाकरण की दिशा में पिछले 50 सालों में प्रगति तो हुई है लेकिन अभी भी गहरी असमानता है। कोरोना महामारी, गलत जानकारी या सूचना और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी ने इस प्रगति को धीमा या फिर उल्टा कर दिया।

फिर पनपने लगेंगे खसरा, पोलियो जैसे रोग

रिपोर्ट चेतावनी देती है कि अगर इस समस्या को दूर नहीं किया जाता है तो खसरा, पोलियो और डिप्थीरिया जैसी बीमारियां फिर से महामारी का रूप धारण कर सकती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 1980 में दुनिया में 5.88 करोड़ ऐसे बच्चे थे, जिन्हें बचपन में कोई भी टीका नहीं लगा। इनमें से पचास प्रतिशत से ऊपर बच्चे भारत, पाकिस्तान, चीन, इंडोनेशिया और बांग्लादेश से ही थे।

दस्तावेजों के निपटारे और रखरखाव के लिए दिशा निर्देश जारी

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अदालत के दस्तावेजों के रखरखाव और निपटारे से संबंधित दिशा निर्देश जारी किए। दिशा निर्देशों का उद्देश्य सभी रजिस्ट्री शाखाओं की जवाबदेही तय करना और उनके कामकाज में दक्षता लाना है। शीर्ष अदालत ने प्रशासनिक दस्तावेजों के प्रबंधन में कमी को भी उजागर किया।

क्यों पड़ी दिशा निर्देश जारी करने की जरूरत

भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने एक संदेश में कहा कि

पिछले कुछ वर्षों में सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्री विभाग ने कई शाखाओं में प्रशासनिक अभिलेखों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। सीजेआई ने कहा, 'मामले की कार्यवाही से संबंधित न्यायिक अभिलेख सुप्रीम कोर्ट रूल्स, 2013 के आदेश छश्कमें निहित स्पष्ट प्रावधानों द्वारा शासित होते हैं, लेकिन प्रशासनिक अभिलेखों के प्रबंधन के संबंध में कमी बनी हुई है।' सीजेआई ने कहा कि इस असमानता से असंगत प्रथाओं का जन्म होता है, जिससे अभिलेखीय स्पष्टता और दक्षता प्रभावित होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या दिशा निर्देश जारी किए

'रिकॉर्ड के प्रतिधारण और उन्हें नष्ट करने के लिए दिशानिर्देश 2025' का उद्देश्य संस्थागत निर्णयों, नीति कार्यान्वयन, अंतर-विभागीय पत्राचार, लेखा परीक्षा और बाहरी हितधारकों के साथ जुड़ाव सहित प्रशासनिक रिकॉर्ड के प्रबंधन में सुसंगतता, जवाबदेही और दक्षता को बढ़ावा देना है। भारत के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के हस्ताक्षर वाले मूल सबमिशन नोट्स या पेपर बुक को स्थायी रूप से संरक्षित किया जाए।

बैंकों को 50 बीपीएस दर कटौती का लाभ ग्राहकों तक तुरंत पहुंचाना होगा: आरबीआई

नई दिल्ली

आरबीआई की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि सभी बैंकों को नीतिगत दरों का लाभ तेजी से ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपनी ऋण दरों में कमी करनी चाहिए। इस महीने की शुरूआत में नीतिगत दरों में 50 आधार अंकों की कटौती की गई थी। रिजर्व बैंक के जून बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में इस बात पर जोर दिया गया कि वित्तीय स्थितियां ब्याज दरों में कटौती का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। अप्रैल में घोषित ब्याज दरों में कटौती का लाभ अपने ग्राहकों को पहले ही दे दिया है। भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और एचडीएफसी बैंक सहित कई बड़े बैंकों ने 6 जून को आरबीआई द्वारा रेपो दर में 50 आधार अंकों की भारी कटौती के कुछ ही दिनों के भीतर बेंचमार्क ऋण दर से जुड़ी ब्याज दर को उधारकर्ताओं पर समान अंतर से लागू कर दिया है।

प्रदेश सरकार 7500 पदों पर नौकरी के लिए जल्द जारी करेगी परिणाम: नायब

लाडवा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जल्द ही प्रदेश सरकार 7500 पदों पर युवाओं को नौकरी देने जा रही है। इन पदों की परीक्षा व अन्य सभी प्रकार की प्रक्रियाओं को पूरा कर लिया गया है अब जल्द ही परिणाम घोषित किया जाएगा। साथ ही प्रदेशभर के सभी विभागों में खाली पदों का ब्योरा इक्कठा किया गया है और ग्रुप-सी के पदों के लिए सीईटी का आवेदन लिए जा चुके हैं। जल्द ही परीक्षा भी आयोजित करवाई जाएगी और विभिन्न विभागों में खाली पदों के विज्ञापन जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने संकल्प पत्र में 50 हजार युवाओं को नौकरी देने का वायदा किया है। जिसको गंभीरता से लेकर हुए इन पदों पर

नौकरी देने की योजना भी बनाई जा चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार सायं गांव बन पौधा रोपण कर पर्यावरण को बचाने का संदेश भी दिया। भाजपा मीडिया प्रभारी व कार्यक्रम संयोजक विजय कौशिक ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्यमंत्री नायब सैनी जी का स्वागत किया। मण्डल अध्यक्ष शिव गुप्ता ने सरोपा भेंट कर मुख्यमंत्री जी का स्वागत किया। शक्ति केंद्र प्रमुख जितेंद्र काका ने भी पुष्प गुच्छ देकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। साथ ही ब्राह्मण समाज ने परशुराम जी की प्रतिमा भेंट स्वागत किया। सुरेन्द्र शर्मा ने बन गांव में मुख्यमंत्री नायब सैनी के पहुँचने पर पगड़ी पहनाकर पुरे गांव की ओर से स्वागत व आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने गांव वालों का गांव से प्रचंड जीत के लिए धन्यवाद व्यक्त किया और कहा की बन गांव से मेरा पारिवारिक रिश्ता है। मैं यहाँ अपने परिवार के बीच आया हूँ। मेरे परिवार का कोई भी व्यक्ति कभी भी मेरे पास पास आ सकता है। 24 घंटे मेरे घर के दरवाजे आपके लिए खुले हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव के समय कांग्रेस के लोगों ने कोर्ट में जाकर 26,000 पदों के परिणाम पर रोक लगवा दी थी। तब हमने संकल्प लिया था कि सरकार बनते ही शपथ लेने से पहले युवाओं को उनके नौकरियों का परिणाम घोषित कर ज्वाइन करवाया जाएगा और सरकार ने ऐसा ही किया है। भाजपा सरकार ने प्रदेश में युवाओं को बिना खर्ची बिना पर्ची के मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरी दी है और आगे भी इसी नीति से युवाओं को नौकरी दी जाती रहेगी। उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, भाजपा जिला अध्यक्ष तिजेंदर सिंह गोल्डी, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, दीप सैनी, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, सुरेन्द्र शर्मा, जितेंद्र काका, डॉ सिंदर, पोला, गुरमेज कश्यप, राजेश पाल, जय सिंह, धर्मेंद्र शर्मा, कृष्ण, राहुल शर्मा, पार्थ, विजय कौशिक सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

आपातकाल के 50 साल : नीतीश कुमार बोले, इमरजेंसी तत्कालीन सरकार की तानाशाही का प्रतीक था

एजेंसी

पटना । आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और इसे तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार की तानाशाही का प्रतीक बताया। उन्होंने बताया कि आपातकाल में जनता की अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी लगा दी गई थी। हम सभी साथियों को तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जेल में बंद कर दिया गया था। सीएम नीतीश ने कहा कि बिहार ने हमेशा संविधान, न्याय, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय की भावना को अपने विकास का मार्ग बनाया है। हम संविधान के आदर्शों की रक्षा के लिए सदैव सजग एवं तत्पर रहेंगे। देश में आपातकाल के बुधवार को 50 साल पूरे हो गए। 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगाया गया था। इसी क्रम में सीएम नीतीश ने उस दौर को याद करते हुए अपनी बात रखी। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, '25 जून, 1975 का वो दिन हम सभी को याद है, जब देश में आपातकाल लागू हुआ था। इसे स्वतंत्र भारत के इतिहास का काला दिन कहा जाता है। साल 1975 का आपातकाल तत्कालीन सरकार की तानाशाही का प्रतीक था। आपातकाल में जनता की अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी लगा दी गई थी। आपातकाल के खिलाफ लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी ने आंदोलन शुरू किया। मैंने भी अपने कई साथियों के साथ इस आंदोलन में भाग लिया तथा आपातकाल का सक्रिय विरोध किया।

हम सभी साथियों को तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जेल में बंद कर दिया गया। लेकिन, देशवासियों ने एकता और साहस का परिचय दिया। एकजुट होकर हमने लड़ाई लड़ी।'

उन्होंने आगे लिखा, 'आप सभी को पता है कि लोकतंत्र के मूल में जनता की आवाज होती है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम हर परिस्थिति में उसकी रक्षा करें। बिहार ने हमेशा संविधान, न्याय, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय की भावना को अपने विकास का मार्ग बनाया है। हमारा यह संकल्प रहे कि हम संविधान के आदर्शों की रक्षा के लिए सदैव सजग एवं तत्पर रहेंगे।' वहीं, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर एक्स पोस्ट में लिखा, '25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक ऐसा काला अध्याय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। दंभ से भरी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने संविधान की मर्यादा को तार-तार किया, अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटा। भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर विश्वास रखने वाले तथा देश के संविधान की गरिमा के प्रति समर्पित लोग, 25 जून को कभी भूल नहीं पाएंगे। आपातकाल में जेल गए लोकतंत्र सेनानियों की मार्मिक कहानियां सुनकर आज भी हृदय में पीड़ा के निशान उभर आते हैं। आपातकाल की कालरात्रि की भयावह अवधि में लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हेतु संघर्ष करने वाले सभी लोकतंत्र सेनानियों को मेरा नमन!'

विजिलेंस की हिरासत में अकाली नेता बिक्रम मजीठिया, कहा- मुझे चुप नहीं करा सकती भगवंत मान की धमकियां

एजेंसी

अमृतसर । शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम मजीठिया को विजिलेंस टीम ने हिरासत में ले लिया है। विजिलेंस टीम ने बुधवार सुबह बिक्रम सिंह मजीठिया के अमृतसर स्थित आवास पर छापेमारी की थी। इसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम मजीठिया के सोशल मीडिया अकाउंट एक्स से एक वीडियो भी शेयर किया गया है, जिसमें विजिलेंस के अधिकारी उन्हें अपने साथ ले जाते हुए नजर आ रहे हैं। वे इस वीडियो में कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि कितने अधिकारी मुझे ले जाने के लिए यहां आए हैं। बिक्रम मजीठिया ने कहा, देखिए कितने अधिकारी मुझे ले जाने के लिए यहां आए हैं। मुझे नहीं पता कि मेरे घर में कुछ रखा गया था या नहीं, लेकिन उनकी बेचैनी देखिए। कुछ लोगों को एक कमरे में बंद कर दिया गया और फिर पुलिस मुझे यहां ले आई। मजीठिया ने अपने एक्स अकाउंट पर एक और वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके समर्थक नारेबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा, वे इस वीडियो में अपने बच्चों को गले लगाते हुए भी दिख रहे हैं। उन्होंने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, मैं गुरु साहिब का बेटा हूं। विजिलेंस द्वारा हिरासत में लिए जाने से पहले बिक्रम मजीठिया ने एक बयान जारी किया था। उन्होंने कहा, मेरे घर पर छापेमारी भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल के अहंकार को दर्शाती है। आज सुबह विजिलेंस ने जबरदस्ती मेरे घर में प्रवेश किया। प्रेस को अंदर नहीं आने दिया गया और वकीलों के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। आम आदमी पार्टी की सरकार कानून का उल्लंघन कर रही है। भगवंत मान की धमकियां मुझे चुप नहीं करा सकतीं। मैं हमेशा पंजाब और पंजाबियों के लिए आवाज उठाता रहूंगा। बिक्रम मजीठिया के आवास पर हुई विजिलेंस की छापेमारी पर शिरोमणि अकाली दल के नेता अर्शदीप कलेर ने कहा, हम इस मामले को अदालत में लेकर जाएंगे।

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास फैक्टरी में लगी आग, तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास स्थित पॉलीथीन फैक्ट्री में भीषण आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गयी और अन्य तीन गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। अग्निशमन विभाग को इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर दमकल विभाग की 15 गाड़ियां और पुलिस की टीम पहुंची। दमकल विभाग के अधिकारी अशोक कुमार जायसवाल ने कहा, हमें कल शाम साढ़े सात बजे आग लगने की सूचना मिली, लेकिन जब हम पहुंचे तो पता चला कि आग वास्तव में करीब एक घंटे पहले लगी थी। तब तक पूरी फैक्टरी जलकर खाक हो गई। दमकल अधिकारियों ने बताया कि घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन दूसरी और तीसरी मंजिल पर जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आग पर काबू पाने के बाद भी बिल्डिंग के अंदर से सुबह तक धुआं निकलता रहा। साथ ही हादसे मे तीन लोगों की मौत होने और अन्य तीन लोग घायल हुए हैं। श्री जायसवाल ने कहा कि आग पर काबू पाने के लिए पहले जेसीबी मशीन की मदद से बिल्डिंग की एक दीवार को तोड़ा गया, जिससे उसके अंदर लगी आग को बुझाने की कोशिश की गई।

अनियंत्रित कार नहर में गिरने से नवजात सहित चार की मौत, तीन घायल

हल्द्वानी। उत्तराखंड में नैनीताल जिले के हल्द्वानी में बुधवार सुबह एक अनियंत्रित वाहन के नहर में गिरने से उसमें वाहन सवार नवजात शिशु सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और अन्य तीन घायल हो गए। कुमायूं परिक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि आज सुबह हल्द्वानी में फायर ब्रिगेड दफ्तर के पीछे बहने वाली सिंचाई नहर में एक कार अनियंत्रित होकर गिर गई। जिसमें एक नवजात सहित चार लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कार में कुल सात लोग सवार थे। कार में सवार सभी लोग ग्राम बरा, किच्छा, उधम सिंह नगर के निवासी थे। कार में सवार सभी लोग सुशीला तिवारी अस्पताल से वापस गांव लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि अचानक सिंचाई नहर में कार गिरने के बाद पलट गई। फिर थोड़ा आगे बहकर पुलिया में फंस गई। इस दौरान कार के अंदर पानी घुस गया। श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने कार को रेस्क्यू करके नहर से बाहर निकाला। कार के शीशे खोलने पर पता चला कि एक नवजात शिशु समेत चार लोगों की मौत हो गयी है। मृतकों की पहचान नीतू (34), कमला देवी (51), राकेश (32) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि वाहन से रामा, रमेश और वाहन चालक श्यामलाल को घायल अवस्था में सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

आपातकाल में कांग्रेस ने लोकतंत्र को किया कैद, प्रेस की आजादी छीनी : मोदी

'हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूएं और गरीबों तथा दलितों के सपनों को साकार करें।'

एजेंसी

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर इसे देश के लोकतांत्रिक इतिहास का 'सबसे काला अध्याय' और 'संविधान हत्या दिवस' बताया और आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को सलाम किया। श्री मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के 50 साल पूरे हो गए हैं। भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर

दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की आजादी को खत्म कर दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। ऐसा लग रहा था जैसे उस समय सत्ता में बैठी कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'द इमरजेंसी डायरीज' में आपातकाल के वर्षों के दौरान मेरी यात्रा का वर्णन है। इसने उस समय की कई यादें ताज़ा कर दीं। श्री मोदी ने कहा, ÷मैं उन सभी लोगों से अपील करता हूँ जो आपातकाल के उन काले दिनों को याद करते हैं या जिनके परिवारों ने उस दौरान कष्ट झेले हैं, वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे युवाओं में 1975 से 1977 तक के शर्मनाक समय के बारे में जागरूकता पैदा होगी।' उन्होंने आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को सलाम किया, जिनकी सामूहिक लड़ाई ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करने और चुनाव कराने पर मजबूर किया। उन्होंने कहा कि 42वें संशोधन में संविधान में व्यापक परिवर्तन किए गए जो आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस सरकार की चालों का एक ज्वलंत उदाहरण है, जिसे जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने बाद में पलट दिया था। गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई गई।

श्री मोदी ने कहा कि हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने और विकसित देश के अपने दृष्टिकोण को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूएं और गरीबों तथा दलितों के सपनों को साकार करें। यही हमारी प्रतिबद्धता है।

ओबीसी सूची : पश्चिम बंगाल सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी

एजेंसी

नई दिल्ली । ओबीसी कोटे में उप-श्रेणियां जोड़ने के फैसले को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार ने अब सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लिया है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने हफ्तेभर पहले बंगाल सरकार के फैसले पर अंतरिम रोक लगाई थी। फिलहाल सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से पिछली 113 श्रेणियों वाली लिस्ट को बदलकर 140 उप-श्रेणियों वाली लिस्ट लाई गई थी। ममता बनर्जी की अगुवाई वाली सरकार ने 10 जून को पश्चिम बंगाल विधानसभा में संशोधित ओबीसी-ए और ओबीसी-बी सूची पेश की थी, जिसमें 76 नई श्रेणियों को शामिल किया गया था। इस प्रकार कुल संख्या 140 हो गई। इस लिस्ट में 80 मुस्लिम और 60 गैर-मुस्लिमों को रखा गया। मुस्लिम उप-श्रेणियों की संख्या 77 से बढ़कर 80 की गई थी, जबकि गैर-मुस्लिम श्रेणियों की संख्या 36 से बढ़कर 60 की गई। राज्य सरकार के हालिया फैसले पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने 17 जून को अपना फैसला देते हुए अंतरिम रोक लगाई। हाईकोर्ट में सरकार के फैसले के खिलाफ याचिका लगाई

गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट में अगली सुनवाई की तारीख 31 जुलाई रखी गई। न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की खंडपीठ ने कहा कि अंतरिम रोक 31 जुलाई तक प्रभावी रहेगी, जब मामले की अगली सुनवाई होगी और राज्य सूची के आधार पर कोई कदम नहीं उठा सकता।

आपातकाल के 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस की मानसिकता वैसी ही-जेपी नड्डा

जेंसी

नई दिल्ली। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आज संविधान हत्या दिवस मना रही है। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीयमंत्री जेपी नड्डा ने एक्स पर अपने वीडियो संदेश में कांग्रेस पर निशाना साधा। नड्डा ने कहा कि 25 जून, 1975 की आधी रात तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोपा। देश के संविधान की हत्या कर दी। 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है। उसकी नीयत आज भी तानाशाही वाली है। उन्होंने कहा कि 1975 में कोर्ट ने इंदिरा गांधी को चुनाव में आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी ठहराया और उन्हें 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य करार दिया। रातों-रात प्रेस की बिजली काटी गई, सारे विपक्ष को जेल में डाल दिया गया, प्रेस से आजादी छीन ली गई, अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को रौंदा गया। संसद, न्यायपालिका को अपंग बना दिया

गया और 26 जून की सुबह देश पर कांग्रेस की तानाशाही सरकार ने आपातकाल थोप दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में कानून व्यवस्था का हाल आज भी वही है, जो आपातकाल में था- विरोध का दमन, धार्मिक तुष्टीकरण और सत्ता का अहंकार खुलेआम दिखता है। आपातकाल में विपक्षी नेताओं को जेल भेजे जाने को याद करते हुए नड्डा ने कहा कि मोदी ने आरएसएस पदाधिकारी के रूप में तब सरकार की अवहेलना की थी और कांग्रेस की ज्यादतियों के बारे में लोगों में जागरुकता फैलाई थी। आपातकाल और उसके परिणामों की स्मृति को जीवित रखना आवश्यक है। इंदिरा गांधी ने देश को परिवारवाद और व्यक्ति पूजा की प्रयोगशाला में बदल दिया था।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा-'आपातकाल' कांग्रेस की सत्ता की भूख का 'अन्यायकाल'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने आज 'संविधान हत्या दिवस' पर एक्स हैंडल पर अपने उद्गार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि 'आपातकाल' कांग्रेस की सत्ता की भूख का 'अन्यायकाल' था। 25 जून, 1975 को लगे आपातकाल में देशवासियों ने जो पीड़ा और यातना सही, उसे नई पीढ़ी जान सके, इसी उद्देश्य से मोदी सरकार ने इस दिन को 'संविधान हत्या दिवस' का नाम दिया।

उन्होंने लिखा, 'यह दिवस बताता है कि जब सत्ता तानाशाही बन जाती है, तो जनता उसे उखाड़ फेंकने की ताकत रखती है। आपातकाल कोई राष्ट्रीय आवश्यकता नहीं, बल्कि कांग्रेस और एक व्यक्ति की लोकतंत्रविरोधी मानसिकता का परिचायक था। प्रेस की स्वतंत्रता कुचली गई। न्यायपालिका के हाथ बांध दिए गए और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में डाला गया।' केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने लिखा, ' देशवासियों ने 'सिंहासन खाली करो' का शंखनाद किया और तानाशाह कांग्रेस को उखाड़ फेंका। इस संघर्ष में बलिदान देने वाले सभी वीरों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। 'उल्लेखनीय है कि केंद्रीयमंत्री शाह ने कल 'आपातकाल के 50 साल'कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'नई दिल्ली में आपातकाल की पूर्व संध्या पर आपातकाल के 50 साल कार्यक्रम में आपातकाल के खिलाफ संघर्ष करने वाले वीरों को सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।' शाह ने इस अवसर पर कहा कि जब किसी व्यक्ति के भीतर छिपा हुआ तानाशाही स्वभाव बाहर आ जाता है, तभी आपातकाल लगता है, यह इतिहास हमारी युवा पीढ़ी को जानना जरूरी है। आपातकाल, कांग्रेस द्वारा मल्टीपार्टी डेमोक्रेसी को एक पार्टी की तानाशाही में बदलने के षड्यंत्र की शुरुआत थी। आपातकाल का मूल कारण सत्ता की भूख थी। न देश पर कोई बाहरी खतरा था, न ही कोई आंतरिक संकट था, खतरा बस इंदिरा गांधी की कुर्सी पर था।

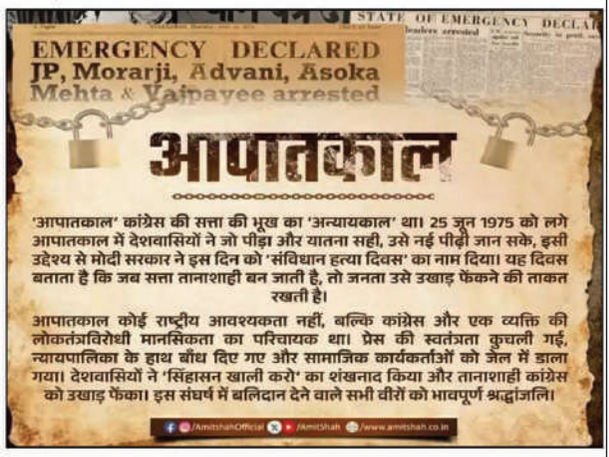

भारत की नई उड़ान : स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए शुभांशु शुक्ला, फ्लोरिडा से एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने अंतरिक्ष की ओर नई उड़ान भरी है। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए हैं। फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर में कॉम्प्लेक्स 39ए से एक्सिओम-4 मिशन को लॉन्च किया गया। शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री एक्सिओम स्पेस के एक मिशन के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर निकले हैं। सफल लॉन्चिंग के बाद अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सोशल मीडिया के जरिए अपडेट दिया। नासा ने 'एक्स' पर लिखा, 'हमने एक्सिओम मिशन 4 की उड़ान भरी है। एक्स-4 मिशन 25 जून को सुबह 2:31 बजे (भारतीय समयानुसार, दोपहर 12:01 बजे) पर लॉन्च

कॉम्प्लेक्स 39ए से उड़ान भर गया, जिसमें चार निजी अंतरिक्ष यात्री 14 दिनों तक के मिशन के लिए स्पेस स्टेशन पर गए।एक्सिओम स्पेस ने भी पोस्ट किया है, जिसने लिखा, एएक्स-4 के लिए ड्रैगन फाल्कन 9 के दूसरे चरण से अलग हो गया है। नासा ने अंतरिक्ष यान के अलग होने की पुष्टि की। नासा ने लिखा, 'अपने स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में स्वतंत्र रूप से उड़ान भरते हुए एएक्स-4 उड़ान। एएक्स-4 का चालक दल स्पेस स्टेशन की ओर बढ़ रहा है। इस मिशन में शामिल स्पेसएक्स ने जानकारी दी कि के चालक दल स्पेस स्टेशन की अपनी यात्रा के एक कदम और करीब आ गए हैं। फाल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च होने के बाद क्रू नए स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट पर ऑर्बिटिंग प्रयोगशाला की यात्रा करेगा। ये 14 दिन का मिशन है। शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और नासा के संयुक्त सहयोग से विकसित उन्नत खाद्य और पोषण संबंधी प्रयोगों का संचालन करेंगे।बेटे को अंतरिक्ष में उड़ान भरते हुए देखकर शुभांशु शुक्ला का परिवार काफी भावुक हो गया। शुभांशु की मां की आंखों में आंसू भर आए। लखनऊ में शुभांशु शुक्ला के माता-पिता ने एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग की लाइव तस्वीरें देखीं। मिशन के उड़ान भरने पर वे जश्न मनाते हुए नजर आए।

भजनलाल ने आपातकाल के समय संघर्ष करने वाले राष्ट्र भक्तों को किया नमन

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आपातकाल में लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए संघर्ष करने वाले राष्ट्र भक्तों को नमन किया है। श्री शर्मा ने बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से इन राष्ट्र भक्तों को नमन करते हुए कहा कि भारत के महान लोकतांत्रिक इतिहास पर काला अध्याय आपातकाल वर्ष 1975 में आज ही के दिन कांग्रेस सरकार द्वारा देश पर थोपा गया था। यह वह समय था, जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों को कुचल दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा उस अंधकारमय कालखंड में तमाम अमानवीय यातनाओं और दमन के बावजूद लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए जिन समर्पित राष्ट्र भक्तों ने अदम्य साहस और अटूट संकल्प के साथ संघर्ष किया, उन सभी को शत-शत नमन।

उदयपुर में फ्रांसीसी युवती से रेप का आरोप—कास्टिंग डायरेक्टर गिरफ्तार, कांग्रेस का सड़क पर हंगामा

एजेंसी

उदयपुर। राजस्थान के टूरिज़्म हब उदयपुर में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक फ्रांसीसी युवती ने रेप का आरोप लगाया। आरोपी कोई और नहीं, बल्कि वह शख्स निकला जो खुद को कास्टिंग डायरेक्टर बताता है। सलमान खान और अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारों की फिल्मों में कास्टिंग करने का दावा करने वाला यह युवक अब पुलिस की गिरफ्त में है। नाम है–पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा (29)। 22 जून को फ्रांस की युवती एक मोबाइल ऐड शूट के लिए उदयपुर आई थी। दिनभर पिछोला झील, सज्जनगढ़ किला और अन्य जगहों पर शूट हुआ। रात को द ग्रीक फॉर्म एंड रेस्ट्रो कैफे में पार्टी हुई, जहां क्रू मेंबर्स मौजूद थे। यहीं से कहानी ने मोड़ लिया। आरोप है कि पार्टी के दौरान आरोपी सिद्धार्थ ने स्मोक करने का बहाना बनाकर युवती को अपने फ्लैट (सुखेर स्थित) ले गया और वहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की और जबरदस्ती की।एसपी योगेश गोयल ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पुष्पराज ने पूछताछ में जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने केस में तेजी दिखाते हुए कहा कि सात दिन में चार्जशीट कोर्ट में पेश कर दी जाएगी। युवती का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है और वह खतरे से बाहर है। पुलिस कस्टडी में ले जाते वक्त आरोपी जोर-जोर से चिल्लाया–मैंने रेप नहीं किया... मुझे फंसाया गया है। मैं खुद सरेंडर करने जा रहा था। पुष्पराज का कहना है कि वह बॉलीवुड इंडस्ट्री का हिस्सा है और कुछ बड़े नाम उसे फंसाने की साजिश कर रहे हैं। उसने यह भी कहा कि वह बाहरी है और उसे यहां से निकालने की चाल चली जा रही है। सूत्रों के मुताबिक आरोपी कास्टिंग डायरेक्टर है और पिछले 10 वर्षों से फिल्मों, ऐड और सीरियल्स में कास्टिंग कर रहा है। सलमान खान की प्रेम रतन धन पायो में शामिल रहा। अक्षय कुमार की खेल-खेल में की शूटिंग में रेडिसन होटल, उदयपुर में कास्टिंग करवाई। क्राइम पेट्रोल और कई विज्ञापनों के लिए भी कलाकारों की कास्टिंग की। कहा जा रहा है कि 'प्रेम रतन धन पायो' के ट्रेलर में सलमान खान के पीछे पुष्पराज खड़ा नजर आता है।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी प्योर ईवी के नए शोरूम की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली।इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी प्योर ईवी ने गीता कॉलोनी में नए शोरूम की शुरुआत की। प्योर ईवी की उत्तर भारत में उपस्थिति मजबूत करने और दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी को समर्थन देने की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो स्वच्छ और हरित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, विधायक अनिल गोयल, और कई अन्य अतिथि उपस्थित रहे। गीता कॉलोनी स्थित यह शोरूम प्योर ईवी के इलेक्ट्रिक स्कूटर्स और बाइक्स के सभी प्रमुख मॉडल्स को प्रदर्शित करेगा। साथ ही, इसमें कंपनी की प्योर पावर एनर्जी स्टोरेज प्रोडक्ट रेंज भी होगी, जो घरों और व्यवसायों को स्वच्छ ऊर्जा समाधान प्रदान करेगी। प्योर ईवी के सीईओ रोहित वडेहरा ने कहा कि नई दिल्ली में हमारा यह शोरूम लॉन्च, दिल्ली सरकार की मजबूत ईवी नीति के साथ सामंजस्य में है। यह नीति उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है और इसे पहले से अधिक किफायती और सुविधाजनक बनाती है। हम दिल्ली को स्वच्छ और हरित भविष्य की ओर ले जाने में सहयोग कर रहे हैं।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र का किया निरीक्षण एवं साफ-सफाई का लिया जायजा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र का दौरा किया और मानसून के मद्देनजर नालों की सफाई के काम का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली बदल रही है, बेहतर बन रही है और जिसके चलते दिल्ली के लोगों की समस्याएं सुलझ रही हैं।मनजिंदर सिंह सिरसा ने सफाई कार्यों के निरीक्षण के दौरान कहा कि इस मानसून में दिल्ली रुकेगी नहीं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लेकर अफसरों तक पूरा सिस्टम मैदान में है ताकि हर नाला साफ हो और हर सड़क चालू रहे। सिरसा ने कहा कि नालों की सफाई युद्धस्तर पर की जा रही है और खुले नालों को ढकने तथा गड्ढों को भरने का काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि नालों की मैन्युअल सफाई बिल्कुल न की जाए और सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सुपर सकर मशीनों व अन्य उपकरणों का ही उपयोग किया जाए ताकि काम सुरक्षित और प्रभावी हो। सिरसा ने कहा कि वजीरपुर जैसे औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्री वेस्ट और सीवेज के बावजूद ड्रेनेज में कोई अवरोध नही है और वे निर्बाध बह रहे हैं। यह सरकार की नीयत और जमीन पर हो रहे काम का साफ संकेत है।

जय प्रकाश नारायण (जेपीएन) पुस्तकालय ज्ञान व नवाचार को समर्पित एक महत्वपूर्ण कदम : कुलजीत सिंह चहल

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने मन्दिर मार्ग पर बन रही जय प्रकाश नारायण (जेपीएन) पुस्तकालय की प्रगति के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पुस्तकालय केवल भवन नहीं होते, ये ज्ञान और शिक्षा के मंदिर होते हैं। कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत @2047' के विजन के अनुरूप एनडीएमसी ऐसी सुविधाएं विकसित कर रही है जो बच्चों, छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों और आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अध्ययन का अवसर दें। उन्होंने बताया कि यह पुस्तकालय विशेष रूप से वाल्मीकि सदन, मंदिर मार्ग, गोल मार्केट और आसपास के क्षेत्र के लोगों के लिए फायदेमंद होगा। चहल ने बताया कि इस पुस्तकालय के निर्माण का प्रस्ताव भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा लाया गया था। इसके लिए सीपीडब्ल्यूडी ने 2.17 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है और बाकी की राशि एनडीएमसी द्वारा वहन की जा रही है। कुल निर्माण लागत 6.81 करोड़ रुपये है। जिसमें सिविल, इलेक्ट्रिकल और फायरफाइटिंग का कार्य शामिल है। उन्होने बताया कि करीब 85 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अगस्त तक फर्नीचर, आईटी सिस्टम और पुस्तकें आ जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस पुस्तकालय का उद्घाटन सितंबर तक करने का लक्ष्य रखा हैं।

विकास मंत्री उतरे सड़कों पर, गड्ढों को भरने में श्रमिकों के साथ मिलकर किया सहयोग

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली की सड़कों को सुरक्षित, सुगम और गड्ढा-मुक्त बनाने की दिशा में एक कदम उठाते हुए एक दिन में लगभग 1400 किलोमीटर सड़कों पर 3400 से अधिक गड्ढों को भरकर एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। इस अभियान के अंतर्गत स्वयं दिल्ली सरकार के विकास मंत्री कपिल मिश्रा सड़कों पर उतरे और उन्होंने विकास मार्ग पर सड़कों के निरीक्षण के साथ-साथ श्रमिकों के साथ मिलकर गड्ढे भरने के काम में सक्रिय रूप से भाग लिया। मीडिया से बातचीत करते हुए कपिल मिश्रा ने कहा, दिल्ली की सड़कों को बेहतर और गड्ढा-मुक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में और लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा के मार्गदर्शन में मिशन मोड़ पर आज दिल्ली की सड़कों को गड्ढा मुक्त किए जाने के लिए अभियान चलाया गया है।

इमरजेंसी के 50 साल : दिल्ली में प्रदर्शनी का आयोजन, सीएम बोलीं- आपातकाल भारतीय इतिहास का काला दिन

एजेंसी

नई दिल्ली । देश में इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर नई दिल्ली के कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद और कपिल मिश्रा मौजूद रहे। सीएम रेखा गुप्ता ने कार्यक्रम के दौरान इमरजेंसी को याद किया और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷जो लोग आज संविधान की कॉपियां लेकर जेब में घूमते हैं और दावा करते हैं कि संविधान को दबाया जा रहा है। मैं उनसे कहना चाहती हूं पूरा देश गवाह है कैसे उनको पूर्वजों ने संविधान को दबाया और कुचला। पूरा देश इसका गवाह है। उन्होंने कहा, यह हमारे इतिहास का एक काला अध्याय था, जब लोकतंत्र को कुचला गया। ऐसे समय में जब देश

गरीबी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जूझ रहा था, एक निकम्मी सरकार अपनी सत्ता बचाने में व्यस्त थी। सच्चा लोकतंत्र तब होता जब इंदिरा गांधी इस्तीफा देतीं, लोगों को सत्ता वापस सौंपती और माफी मांगती। इमरजेंसी की 50वीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा, लोकतंत्र की हत्या को 50 साल बीत चुके हैं। मुझे उन लोगों पर हंसी और गुस्सा दोनों आ रहा है, जो आज भी लोकतंत्र को जेब में रखते हैं और दूसरों को इसकी रक्षा करने का उपदेश देते हैं। मैं उनसे कहना चाहती हूं कि लोकतंत्र की हत्या करने वाले आपके ही पूर्वज थे। भारतीय इतिहास में संविधान का गला घोंटने वाले दिन से ज्यादा काला दिन कोई नहीं हो सकता है। आज वे अपनी जेब में संविधान की कॉपी रखकर घूमते हैं और कहते हैं कि लोकतंत्र को बचाओ। इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा, आपातकाल को अब 50 साल हो गए हैं और एक बड़ी पीढ़ी ऐसी है, जिसने इसे कभी नहीं देखा। मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि आज 70 या उससे अधिक उम्र के लोगों ने आपातकाल को झेला है, इसे करीब से झेला है और अत्याचारों को खुद देखा है। उस दौरान किए गए अत्याचार और अन्याय की सीमा को बताने के लिए पर्याप्त समय नहीं है।÷ दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आपातकाल देश के इतिहास पर काला धब्बा है। ये उन लोगों की असलियत सामने लाता है, जो जेब में संविधान की लाल किताब रखकर चलते हैं और कहते हैं कि संविधान खतरे में हैं। उन्होंने (कांग्रेस) हजारों लोगों की हत्या की, लाखों लोगों को जेल में डाल दिया और इस पर उन्होंने आज तक माफी नहीं मांगी है। दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, यह प्रदर्शनी दिल्ली सरकार द्वारा लगाई गई है।

बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में दिल्ली-एनसीआर और पंजाब में ईडी की छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को 988 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत दिल्ली-एनसीआर और पंजाब में कई ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने 988 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 मामले में दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और पंजाब में कई ठिकानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई शिल्पी केबल्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एसीटीएल) कंपनी के प्रवर्तकों और कुछ संबद्ध संस्थाओं के खिलाफ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत दिल्ली-एनसीआर में नौ ठिकानों और जालंधर में एक परिसर पर ये छापेमारी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी से सामने आया, जिसमें एससीटीएल के

प्रवर्तकों और अन्य सहयोगियों द्वारा आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के संघ को 988 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

दिल्ली-एनसीआर : इस हफ्ते भी बारिश का दौर जारी रहेगा, मौसम रहेगा सुहावना, उमस से राहत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 25 जून से लेकर 1 जुलाई तक मौसम में काफी बदलाव देखने को मिलेगा। बारिश का सिलसिला जारी रहेगा, लेकिन उमस से अभी राहत मिलने की संभावना कम है। हालांकि, मौसम विभाग की ओर से किसी प्रकार की चेतावनी फिलहाल जारी नहीं की गई है, जिससे आम जनजीवन पर गंभीर असर की आशंका नहीं है। 25 जून को बारिश के साथ गरज-चमक (थंडरस्टॉर्म विथ रेन) का दौर रहने की आशंका है और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। ह्यूमिडिटी भी अधिक रहेगी, जो अधिकतम 81 प्रतिशत और न्यूनतम 75 प्रतिशत रहने की संभावना है। 26 जून को सुबह के समय विशेष चेतावनी जारी की गई है। जिसमें तेज बारिश, बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की

संभावना जताई गई है। इस दिन मौसम सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहा और मध्यम बारिश दर्ज की गई। इसके बाद 27 से 30 जून तक लगातार बारिश के आसार हैं। 27 और 29 जून को फिर से गरज-चमक के साथ बारिश होगी, वहीं 28 और 30 जून को बादलों से घिरे आकाश के बीच मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान तापमान 33-34 डिग्री अधिकतम और 26-27 डिग्री न्यूनतम के बीच बना रहेगा। 1 जुलाई को भी मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिख रहा। गरज-चमक के साथ बारिश और 85 प्रतिशत तक की नमी बनी रहेगी। हालांकि मौसम का मिजाज सुहावना रहेगा, लेकिन हवा में नमी की अधिकता के कारण उमस काफी बनी रहेगी, जिससे लोग परेशान रह सकते हैं। दिनभर बादलों की आवाजाही और रुक-रुक कर होने वाली बारिश से गर्मी से कुछ राहत जरूर मिलेगी।

भाजपा ने इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर कांग्रेस को घेरा, जयशंकर बोले- हमें लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखना है

एजेंसी

नई दिल्ली । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इमरजेंसी के 50 साल होने पर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने इमरजेंसी के नाम पर संविधान की हत्या का आरोप लगाया और कहा कि यह भारत के इतिहास का एक दर्दनाक अध्याय था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, संविधान हत्या दिवस पर हम स्वतंत्र भारत के इतिहास के एक दर्दनाक अध्याय को याद करते हैं, जब संस्थाओं को कमजोर किया गया, अधिकारों को निलंबित कर दिया गया और जवाबदेही को दरकिनार कर दिया गया। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की भी याद दिलाता है कि हमें संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करनी है और भारतीय लोकतंत्र की मजबूती को बनाए रखना है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इमरजेंसी के दौर को याद किया और गांधी परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷25 जून 1975 को देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भारत में आपातकाल लगाया था, जो लोकतंत्र का उल्लंघन था। भारतीय

जनता पार्टी इस दिन को काला दिवस के रूप में मनाती है। उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, राहुल गांधी महाराष्ट्र चुनाव को लेकर जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं, उनके बयानों को कोई भी व्यक्ति गंभीरता से नहीं लेता है। वह देश की एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता हैं, लेकिन उनके बोलने का कोई वजन नहीं है। भाजपा सांसद अनिल बलूनी ने इमरजेंसी की 50वीं वर्षगांठ पर कहा, आज से ठीक 50 साल पहले विपक्ष की आवाज को कुचल दिया गया, अभिव्यक्ति की आजादी को सेंसरशिप की जंजीरों में जकड़ दिया गया और देशवासियों के अधिकार छीन लिए गए व लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया। सिर्फ सत्ता की खातिर 25 जून, 1975 को देश पर इमरजेंसी थोपी गई। देश में इमरजेंसी के 50 साल पूरे हो गए हैं और इस दिन को भाजपा 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मना रही है। इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने बयान दिया। उन्होंने इमरजेंसी को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय बताया।

लोकतंत्र को बचाए रखने के लिए आपातकाल की यादों को ज़िंदा रखना जरूरी : खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने आपातकाल के 50 साल पूरे होने के मौके पर कहा कि तानाशाहों की सरकार सुनो- इस गीत को याद करते ही देश में 1975 से 1977 का आपातकाल का वो काला समय स्मरण हो आता है, जब जेलों में ठूंसे गए लोग दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में तिहाड़ जेल से कैदियों की बस में सुनवाई के लिए आते थे और उनके हाथों में हथकड़ी बंधी होती थी। उन?होंने बताया कि इस गीत की हर पंक्ति, हर स्वर, आज भी हमारे सीने में ज्वालामुखी बनकर धधक रही है। ये बंदी कोई क़ातिल या मुजरिम नहीं थे, बल्कि भारत में लोकतंत्र की हत्या करने वाली तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ आवाज उठाने का साहस करने वाले लोग थे, जिन्हें हथकड़ियां पहना कर तिहाड़ जेल से तीस हजारी कोर्ट लाया जाता था खंडेलवाल ने हिन्दुस्थान

समाचार के साथ बातचीत में कहा कि उन्होंने इस तरह के अनेक दृश्यों को अपनी आंखों से देखा था क्योंकि उनके ताऊजी दिवंगत सतीश चंद्र खंडेलवाल और पिता विजय खंडेलवाल भी आपातकाल में बंदी के तौर पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद रहे थे। उनका परिवार दिल्ली के हजारों आपातकाल के सताए हुए परिवारों में से एक है। खंडेलवाल ने कहा कि आज से 50 साल पहले आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया था। यह वह दिन था जब संविधान को बेदर्दी से कुचला गया, जनता की आवाज को दबा दिया गया। खंडेलवाल ने कहा कि लोकतंत्र को बचाए रखने के लिए आपातकाल की यादों को ज़िंदा रखना जरूरी है। उन्होंने आपातकाल को याद करते हुए कहा कि चांदनी चौक और पुरानी दिल्ली ने इस तानाशाही की सबसे भयानक कीमत चुकाई। कुछ ही कदम दूर तुर्कमान गेट की गलियों में निर्दोषों को गोलियों से भून दिया गया। घरों को बुलडोजरों से रौंदा गया। महिलाओं और बच्चों को सड़कों पर गिराया गया और पूरे इलाके को खामोशी से तबाह कर दिया गया। किसी को बोलने की आजादी नहीं थी और जो बोला उसको बंदूकों के बटों से बुरी तरह मारा गया। यह तो सत्ता की क्रूरता का नग्नतम स्वरूप था। तुर्कमान गेट कोई गली नहीं, यह लोकतंत्र की मज़ार है, जहां आज भी संविधान सर झुकाकर खड़ा है। खंडेलवाल ने बताया कि लोगों से कहा गया कि यदि जीना है तो नसबंदी करवाओ। सड़क चलते आदमी को पकड़ कर नसबंदी कैम्प में उसकी जबरन नसबंदी कर दी गई। विरोध करने पर गोलियां चलीं। कहा जाता है कि रात को शव ट्रकों में भरकर रिंग रोड की ओर फेंके गए। घरों के चूल्हे तक नहीं बचे।

हर महीने होंगे नशामुक्ति को लेकर विशेष आयोजन : रविन्द्र इन्द्राज

एजेंसी

नई दिल्ली । समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर राज्यस्तरीय मेगा प्रोग्राम के आयोजन और जिलों में होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। रविन्द्र इन्द्राज ने निर्देश दिए कि इस आयोजन के बाद लगातार नशे के खिलाफ मुहिम जारी रखें। हर माह विभाग समन्वय बनाकर जिलों में जागरूकता के लिए विशेष आयोजन करें। बैठक में दिल्ली पुलिस, केन्द्रीय खेल एवं युवा मामले, समाज कल्याण, शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। समाज कल्याण मंत्री ने आयोजनों को और अधिक प्रभावी एवं जन-भागीदारी आधारित बनाने के निर्देश दिए। वहीं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया की यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सूरजमल विहार में राज्य स्तरीय आयोजन के अलावा सभी जिलों में भी लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इनमें दिल्ली के 64 हॉट स्पॉट का चयन कर नुक्कड़ नाटकों के आयोजन किए जा रहे हैं। रविन्द्र इन्द्राज ने जिला स्तर पर समाज कल्याण विभाग को स्थानीय विधायकों एवं डीएम की मदद से नशा मुक्ति के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को नाबालिग व युवाओं तक संदेश पहुंचाने के लिए मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के अधिक इस्तेमाल के निर्देश दिए गए। ताकि संदेश व्यापक स्तर पर फैले और नशे की मांग घटे।

दुनिया को आतंकवाद से मुक्त करना भारत की प्राथमिकता: तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने मंगलवार को एयर इंडिया फ्लाइट 182 (कनिष्क) के 329 यात्रियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट युद्ध छेड़ने का आह्वान किया। चुघ ने कहा कि यह घटना केवल भारत पर नहीं, बल्कि पूरी मानवता पर हमला था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की अपील की जिसमें दुनिया को आतंकवाद से मुक्त करना भारत की प्राथमिकता रही है।

आयरलैंड स्थित भारतीय दूतावास में प्रवासी भारतीयों एवं ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ़ बीजेपी के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करते हुए चुघ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी उल्लेख किया और इसे पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा शांति एवं विकास की प्रक्रिया को बाधित करने का कुप्रयास बताया। चुघ ने एक बयान में कहा कि भारत को अस्थिर करने की साज़िशें बार-बार रची जाती हैं, लेकिन मोदी सरकार की निर्णायक नीति और देशवासियों की एकजुटता

इन प्रयासों को हर बार नाकाम करती है। चुघ ने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और उद्योग, सेवा, निर्यात जैसे क्षेत्रों में तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रगति में विदेशों में बसे भारतीयों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति ने हर भारतीय को वैश्विक मंचों पर सम्मान दिलाया है। आज भारत की उपस्थिति के बिना कोई भी वैश्विक मंच अधूरा समझा जाता है। भारत की विकास दर, स्थिर नेतृत्व और सक्रिय कूटनीति ने उसे वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया है। चुघ ने प्रवासी भारतीयों से आग्रह किया कि वे भारत की सांस्कृतिक और विकासात्मक यात्रा के दूत बनें और देश के प्रति गर्व की भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। उपस्थित कार्यकर्ताओं और समुदाय के सदस्यों ने विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।उल्लेखनीय है कि कनिष्क विमान त्रासदी 23 जून, 1985 को हुई थी, जिसमें एयर इंडिया की उड़ान संख्या 182 को कनाडा स्थित आतंकियों ने बम से हवा में ही नष्ट कर दिया था। इस घटना में विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए थे।

ज्योति नगर हत्याकांड : दिल्ली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के ज्योति नगर हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ज्योति नगर इलाके में दिल दहला देने वाली 23 जून की है। दिल्ली पुलिस को सुबह करीब 8:30 बजे सूचना मिली कि अशोक नगर इलाके में एक लड़की छत से गिर गई है। लड़की को कथित तौर पर पांचवीं मंजिल से धक्का दिया गया था। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से भाग निकला था। मामले में एक्शन लेते हुए दिल्ली पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। मृतक लड़की का नाम नेहा है, जिसे घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया था। इलाज के दौरान नेहा ने दम तोड़ दिया। शुरुआत में आरोप लगाए गए कि नेहा को किसी ने जानबूझकर घर की छत से धक्का दिया था। बाद में तौफीक का नाम इस घटनाक्रम में सामने आया। बेटी की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार की मांग है कि आरोपी को गोली मार दी जाए। मृतक लड़की की मां ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा, मेरी मांग है कि उसे गोली मार दो या फांसी दे दो। तभी बेटी को इंसाफ मिलेगा और उसकी आत्मा को शांति मिलेगी। नेहा के पिता ने से कहा कि जैसे तड़प-तड़पकर मेरी बेटी की मौत हुई है, उसी तरह गुनहगार की भी मौत हो।

उन्होंने कहा, हमने बेटी को बचाने की काफी कोशिश की। उसे अस्पताल ले गए, लेकिन वो नहीं बची। नेता की बहन ने बताया कि हमें पता ही नहीं चला कि आरोपी कैसे ऊपर छत तक चढ़ गया। जब शोर हुआ कि तुम्हारी बहन को नीचे फेंक दिया है, लोगों ने आरोपी को भागते हुए देखा। उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वो हाथ नहीं आया। उन्होंने कहा, मेरी मांग है कि उसे सख्त से सख्त सजा मिले। उसे गोली मार देनी चाहिए या जनता के हवाले कर दिया जाए।

बेरोजगारी, महंगाई के मुद्दों पर कोई जवाब नहीं,झूठ छिपाने के लिए संविधान हत्या दिवस का नाटक कर रहे : मल्लिकार्जुन

एजेंसी

नई दिल्ली। इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने पर भाजपा द्वारा संविधान हत्या दिवस मनाने पर भड़के मल्लिकार्जुन खड़गे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, ...भाजपा हमारी संविधान बचाओ यात्रा से घबरा गई है। 50 साल पहले के आपातकाल की बात कर रहे हैं। जो लोग अपने कार्यकाल में कुछ नहीं कर सके। जिनके पास बेरोजगारी, महंगाई और नोटबंदी के मुद्दों पर कोई जवाब नहीं है। वे झूठ को छिपाने के लिए आज ये नाटक(आपातकाल के 50 साल पूरे होने को %संविधान हत्या दिवस% के रूप में मनाना) कर रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा सरकार की ओर से प्रधानमंत्री ने एक सर्कुलर निकाला है जिसमें सभी राज्यों को आपातकाल के 50 साल पूरे होने को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्देश दिया गया है... मैं केवल यह कहना चाहता हूं कि जो लोग अब संविधान को बचाने की बात कर रहे हैं वे केवल उस मुद्दे को उठाने की कोशिश कर रहे हैं जो अतीत में समाप्त हो गया था। जिनकी भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान के निर्माण में कोई भूमिका नहीं थी, वे अब इसके बारे में बात

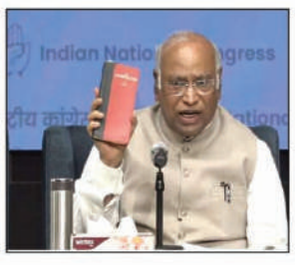

कर रहे हैं। उन्होंने गांधी जी, अंबेडकर जी और अन्य लोगों की तस्वीरें भी जलाईं थीं।25 जून 1975 की वो रात जब भारत का लोकतंत्र सिहर उठा। इस दिन संविधान को कुचला गया, अभिव्यक्ति की आजादी को दबाया गया और लोकतंत्र को जंजीरों में जकड़ा गया। आधी रात को रेडियो पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की थी। देश में समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में भ्रष्टाचार और महंगाई के खिलाफ आंदोलन तेज हो रहा था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा की लोकसभा सदस्यता को रद्द कर दिया था, जिससे उनकी कुर्सी खतरे में पड़ गई। जयप्रकाश नारायण जैसे नेताओं की आवाज जनता को एकजुट कर रही थी। ऐसे में आपातकाल एक ऐसा हथियार बन गया, जिसने लोकतंत्र को बंधक बना लिया। इस तनाव के बीच 25 जून की रात को इंदिरा गांधी ने संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल की घोषणा कर दी। यह फैसला बिना कैबिनेट की मंजूरी के रातोंरात लिया गया। राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने मध्यरात्रि में इस पर हस्ताक्षर किए और देश आपातकाल के अंधेरे में डूब गया। आपातकाल के दौरान नागरिकों के मौलिक अधिकारों का निलंबन कर दिया गया। बोलने की आजादी छीन ली गई। प्रेस पर सेंसरशिप का ताला लग गया। अखबारों में छपने वाली हर खबर को सरकारी सेंसर की मंजूरी लेनी पड़ती थी।

सत्ता बचाने के लिए कांग्रेस ने लोकतंत्र और संविधान की हत्या की थी : प्रदीप भंडारी

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आपातकाल के 50 साल पर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि आज से पांच दशक पहले कांग्रेस ने इस देश के लोकतंत्र और संविधान की हत्या की थी और यह सबकुछ अपनी सत्ता बचाने के लिए किया था। लेकिन, कांग्रेस की बेईमानी देखिए कि पांच दशक बीत जाने के बावजूद भी अभी तक इन लोगों ने देश से माफी नहीं मांगी। उन्होंने कहा कि उस समय कांग्रेस पार्टी लोगों की अभिव्यक्ति की सीमाओं को तय करती थी। यह पार्टी ही तय करती थी कि आपको क्या बोलना है और क्या नहीं। गांधी परिवार ने लोगों के जीवन का अधिकार भी छीन लिया था। इस देश में सबसे ज्यादा गिरफ्तारी आपातकाल के दौरान मीसा के तहत हुई थी। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने कानून-व्यवस्था को ताक पर रख दिया था, जिसे एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान उसी तरह से लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जिस तरह से अंग्रेजों ने स्वतंत्रता सेनानियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा था। यह वो दौर था, जब अंग्रेजों ने इस देश की न्यायिक-व्यवस्था को कुचलने का काम किया था। अंग्रेजों ने इस देश की पूरी व्यवस्था को ही तहस-नहस कर दिया था। इसी वजह से जस्टिस एचआर खन्ना को चीफ जस्टिस नहीं बनने दिया गया। इतना ही नहीं, कांग्रेस के नुमाइंदे ने कोर्ट में यहां तक कहा था कि अगर सरकार किसी से जीवन जीने का अधिकार छीनती है, तो उसे कोर्ट में अपील दायर करने तक का अधिकार नहीं है। कांग्रेस ने कई पत्रकारों को सलाखों के पीछे भेज दिया था। कई लोगों की जबरन नसबंदी करा दी गई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दो चेहरे हैं। एक तरफ जहां वो लोगों के सामने लाकर खुद को संविधान का रक्षक होने का दावा करती है, दूसरी तरफ यही लोग संविधान को कुचलने का काम करते हैं। ऐसी स्थिति में इन लोगों पर किसी भी कीमत पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस पार्टी पर विश्वास करना यानी कि खुद को गड्ढे में गिराने के बराबर है। जब-जब कांग्रेस सत्ता में आती है, तो देश का लोकतंत्र कमजोर होता है। इस देश के हर युवा को यह समझना होगा कि कांग्रेस मौजूदा समय में तानाशाह की प्रतीक बन चुकी है।

संपादक की कलम से

स्केच गलत कैसे हो गया?

एक कहावत है, ह्यरस्सी को सांप समझकर पीटनाह्न। पिछले दो महीनों में पहलगाम आतंकी हमले व क्रूर हत्याकांड की सरकारी जांच की गत भी इस कहावत से मिलती-जुलती नजर आ रही है। २२ अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकियों ने २५ पर्यटकों और एक स्थानीय कश्मीरी युवक की गोली मारकर नृशंस हत्या कर दी थी, जिसके बाद पूरे देश में आक्रोश पैष्ठल गया था। हमले के ४८ घंटे के भीतर ही केंद्र सरकार ने आनन-फानन में पहलगाम हमले में शामिल तीन हमलावरों के ह्यस्केचह्न जारी कर दिए थे। यह दशार्ने के लिए कि मोदी सरकार ने किस तरह फटाफट आतंकियों की पहचान की, ये स्केच तुरंत सोशल मीडिया पर फॉरवर्ड किए गए और सरकार की खूब वाहवाही हुई। इन तीनों आतंकियों के ये स्केच हिंदुस्थान समेत दुनियाभर के मीडिया में छाए रहे। इन स्केच के आधार पर पिछले दो महीनों से पहलगाम के इन अपराधियों की तलाश चल रही थी। हालांकि, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ताजा जांच में यह बात सामने आने के बाद कि स्केच में दिख रहे तीनों आतंकियों में से किसी का भी पहलगाम हत्याकांड से कोई संबंध नहीं है, सरकार की बड़ी फजीहत हुई है। दो महीने पहले जारी किए गए तीन आतंकियों के स्केच का पहलगाम हत्याकांड से कोई संबंध नहीं है। अब एनआईए ने ही कहा है कि पहले जारी किए गए स्केच गलत थे और असली तीनों
हमलावर अलग ही
हैं। आदिल हुसैन थोकर नामक कश्मीरी और अली बही उर्फ तल्हा और हाशिम मूसा उर्फ ??सुलेमान नामक दो पाकिस्तानी नागरिकों के स्केच लेकर जांच एजेंसी पिछले ६० दिनों से उनका पता लगाने के लिए खून-पसीना एक कर रही थी। इतना ही नहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने खुद एक अंतर्राष्ट्रीय समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में जानकारी दी थी कि इस स्केच के आधार पर आतंकवादियों की पहचान कर ली गई है। वह सब अब झूठ साबित हो गया है। चूंकि यह स्पष्ट हो गया कि स्केच में दिखाया गया कोई भी व्यक्ति पहलगाम में हुए क्रूर हत्याकांड में शामिल नहीं था इसलिए पहलगाम हमले की पूरी जांच, जांच की दिशा और दो महीने की मेहनत बेकार चली गई। ऐसे वक्त में जब पहलगाम हत्याकांड से पूरा देश आक्रोशित था और यह साफ था कि इस घटना का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर असर होगा, सरकार द्वारा जांच और जांच के सटीक विवरण की घोषणा में जो जल्दबाजी की गई वह एक जिम्मेदार देश के लिए अशोभनीय है। पहलगाम हमले के असली अपराधियों का खुलासा तब हुआ जब एनआईए ने हाल ही में दो कश्मीरियों परवेज अहमद जोथर और वसीर अहमद जोथर को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आई नई जानकारी के अनुसार, हमलावर पाकिस्तानी मूल के थे।
लश्कर-ए-तैयबा
के तीन आतंकियों ने पहलगाम हमले को अंजाम दिया। उनमें से एक का नाम सुलेमान शाह है। पहलगाम निवासी दो कश्मीरी परवेज और बशीर ने तीनों आतंकवादियों को अपने घरों में पनाह दी थी और उनके लिए खाने-पीने का इंतजाम किया था। दोनों ने इस बात को कबूला है कि आतंकवादियों ने उन्हें चुप रहने के लिए पैसे दिए थे। उन दोनों से पूछताछ से पहलगाम हमले के पीछे की सच्चाई और हमले में पाकिस्तान का हाथ होने का पता जरूर चलेगा। हालांकि, अगर पहलगाम में २६ निर्दोष लोगों की भीषण हत्या करनेवाले आतंकवादियों का दो महीने पहले जारी किया गया स्केच पूरी तरह से गलत है तो यह न केवल सरकार की फजीहत है, बल्कि देश की प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंचानेवाला है। पहले बताए गए आतंकवादी असली नहीं हैं, बल्कि पहलगाम के असली तीन पाकिस्तानी हमलावर अलग-अलग आतंकवादी हैं, यह एनआईए द्वारा किया गया अचंभित करने वाला खुलासा है। जिस लापरवाही के साथ सरकार ने यह दिखाने के नाम पर कि वह कितनी तेजी से काम कर रही है, बिना उचित जांच और सत्यापन के गलत स्केच दुनिया के सामने जारी किया है, वह चीढ़, क्षोभ पैदा करनेवाला है। अगर सरकार अब पहलगाम के असली अपराधियों तक पहुंच रही है तो यह अच्छी बात है, लेकिन गलत स्केच जारी करने की गंभीर गलती किसके चलते हुई? किसने की? क्या इसके पीछे सुरक्षा बलों को गुमराह करने का इरादा था? इसकी भी अब जांच होनी चाहिए।

प्रेग्नेंसी के बाद ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाने के लिए क्या डाइट लेनी चाहिए, किन बातों का ध्यान रखें?

ब्रेस्ट मिल्क शिशु के लिए बेहद जरूरी होता है. इसमें वह सभी पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो नवजात की इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं और उसे बीमारियों से बचाते हैं. ब्रेस्ट मिल्क में मौजूद एंटीबॉडी शिशु का मानसिक व शारीरिक विकास भी तेजी से करती हैं. यह न सिर्फ शिशु बल्कि मां के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि ब्रेस्ट फीडिंग कराने से मां का वजन कंट्रोल रहता है और यूटरस जल्दी सामान्य आकार में आ जाता है. ऐसे में जरूरी है कि डिलीवरी के बाद मां का ब्रेस्ट मिल्क पर्याप्त मात्रा में बने. इसके लिए कुछ विशेष तकनीक और डाइट को अपनाया जा सकता है, जो दूध की सप्लाई को प्राकृतिक रूप से बढ़ाने में मदद करती है. आइए जानते हैं.
ब्रेस्ट मिल्क की सप्लाई बढ़ाने का सबसे आसान और असरदार तरीका है अक्सर ब्रेस्ट फीडिंग कराना. हर 2-3 घंटे में शिशु को दूध पिलाएं, रात में भी फीडिंग न छोड़ें. इससे बॉडी को सिग्नल मिलता है कि ज्यादा दूध की जरूरत है और नेचुरली सप्लाई बढ़ती है. एक और असरदार तरीका है पावर पंपिंग. इसमें आप पहले 20 मिनट पंप करें, फिर 10 मिनट का ब्रेक लें. इसके बाद 10 मिनट पंप करें, 10 मिनट रुकें और आखिर में फिर 10 मिनट पंप करें. इस पूरी प्रक्रिया को दिन में एक बार करें और लगातार 23 दिन तक अपनाएं. इससे ब्रेस्ट मिल्क की सप्लाई में सुधार हो सकता है. इसके अलावा, हर फीडिंग से पहले ब्रेस्ट की हल्की मालिश करें जिससे डक्ट्स खुलते हैं और फ्लो अच्छा होता है. शिशु को दोनों ब्रेस्ट से फीड कराएं ताकि दोनों ओर से मिल्क सप्लाई बैलेंस्ड बनी रहे. अधिक स्किन-टू-स्किन कॉन्टेक्ट, शांत वातावरण और पर्याप्त नींद भी ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाने में मदद करते हैं.
ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाने के लिए क्या डाइट लेनी चाहिए?
फोर्टिस हॉस्पिटल में ऑब्सटेट्रिक्स और गायनोकॉलोजी की सीनियर डायरेक्टर और यूनिट हेड डॉ. निकिता सोबती बताती हैं कि ब्रेस्ट फीडिंग कराने वाली मां की डाइट का सीधा असर दूध की मात्रा और क्वॉलिटी पर पड़ता है. दूध की पर्याप्त सप्लाई बनाए रखने के लिए मां को रोजाना लगभग 500 अतिरिक्त कैलोरी की जरूरत होती है, लेकिन यह कैलोरी पोषणयुक्त होनी चाहिए. ऐसे में कुछ विशेष खाने की चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना बेहद जरूरी है. शतावरी एक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है, जो हॉर्मोनल बैलेंस बनाए रखती है और दूध की मात्रा बढ़ाने में मदद करती है. मोरिंगा पाउडर में आयरन और कैल्शियम भरपूर होता है, जो मां और शिशु दोनों के लिए लाभकारी होता है.
मेथी के दाने, जौ का दलिया, सौंफ और अजवाइन जैसी चीजें भी मिल्क प्रोडक्शन बढ़ाने में कारगर हैं. इसके अलावा, दूध और उससे बने प्रोडक्ट्स जैसे दही, पनीर को रोजाना की डाइट में शामिल करें. बादाम, अखरोट, काजू जैसे सूखे मेवे, मौसमी फल और हरी सब्जियां भी जरूर लें. शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है, इसलिए दिनभर में कम से कम 78 गिलास पानी पिएं. साथ ही, नारियल पानी, नींबू पानी जैसे हेल्दी ड्रिंक्स लें. अलसी के बीज या फिश जैसे ओमेगा-3 युक्त फूड्स भी इस दौरान फायदेमंद रहते हैं.
इन बातों का रखें ध्यान
योग और मेडिटेशन को दिनचर्या में शामिल करें. ब्रेस्ट फीडिंग से पहले और दौरान हल्की ब्रेस्ट मसाज करें ताकि फ्लो बेहतर हो.

उपचुनाव के नतीजों से इंडिया ब्लॉक पार्टियों को बढ़ावा, भाजपा की चिंता बढ़ी

डॉ. ज्ञान पाठक
पश्चिम बंगाल में कालीगंज सीट पर उपचुनाव है। टीएमसी विधायक नसीरुद्दीन अहमद की मृत्यु के बाद इस सीट पर उपचुनाव हुआ। भाजपा ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को सत्ता से बेदखल करने की पूरी कोशिश कर रही है, जो इस उपचुनाव के परिणाम को महत्वपूर्ण बनाता है। टीएमसी उम्मीदवार अलीफा अहमद ने 50,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की। चुनाव परिणाम बताते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी राज्य की राजनीति की कमान संभाल रही है। अह्लरङ्ग फीं - ललित सुरजन की कलम से- शिवराज सिंह अखबार निकालेंगे? चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों से संकेत मिलता है कि भाजपा के लिए चिंता की वजहें हैं, ऐसे समय में जब पार्टी को खुद को मजबूत करने की सख्त जरूरत है। जिन चार राज्यों में उपचुनाव हुए हैं, वे हैं - गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल। चूंकि केरल में विधानसभा का कार्यकाल 23 मई, 2026 को, पश्चिम बंगाल में 7 मई, 2026 को, पंजाब में 16 मार्च, 2027 को और गुजरात में 19 दिसंबर, 2027 को समाप्त होना है, इसलिए चुनाव के नतीजों का खास महत्व है। अह्लरङ्ग फीं - आपातकाल के पांच दशक और मौजूदा 'आफतकाल' केरल का नीलांबर उपचुनाव माकपा समर्थित निर्दलीय विधायक पी वी अनवर के इस्तीफे के कारण कराना पड़ा। यह सीट माकपा के लिए निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। 2021 के चुनाव में अनवर ने 46.9 प्रतिशत वोट पाकर यह सीट जीती थी। कांग्रेस उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे और 45.34 प्रतिशत वोट हासिल करने में सफल रहे। भाजपा तीसरे स्थान पर रही और उसे 4.96 प्रतिशत वोट मिले। इस प्रकार यह सीट तीनों राजनीतिक दलों- माकपा, कांग्रेस और भाजपा के लिए रणनीतिक महत्व रखती है। अह्लरङ्ग फीं - ट्रंप और नेतन्याहू ईरान के आगे झुके इस बार माकपा ने अपना उम्मीदवार एम स्वराज को मैदान में उतारा था, जो कांग्रेस उम्मीदवार आर्यदान शौकत से 11,077 वोटों से हार गये। माकपा के लिए यह गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि पार्टी एलडीएफ के सत्तारूढ़ गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। कांग्रेस उत्साहित है क्योंकि उसने 77737 वोट हासिल करके सीट जीती है जबकि माकपा उम्मीदवार को 66660 वोट मिले हैं। 2021 में एलडीएफ को मिले 81227 वोटों में भारी गिरावट आयी है, और यह संकेत है कि सत्तारूढ़ एलडीएफ केरल के मतदाताओं के बीच सत्ता-विरोधी भावना से ग्रस्त है, जबकि राज्य में अब से 11 महीने के भीतर चुनाव होने की संभावना है। पीवी अनवर को खुद निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में 19,760 वोट मिले। हालांकि कांग्रेस उम्मीदवार को मिले वोटों में भी 78527 से गिरावट आयी है, लेकिन यह गिरावट एलडीएफ उम्मीदवार की तुलना में कम है।

इस प्रकार यह परिणाम आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य में कांग्रेस और यूडीएफ के लिए उज्ज्वल भविष्य का संकेत देता है। केरल भाजपा के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह राज्य में अपनी राजनीतिक पैठ जमाने की पूरी कोशिश कर रही है। भाजपा उम्मीदवार ने 2021 के चुनाव में 8595 वोट हासिल किए थे, लेकिन इस बार उसे 8648 वोट ही मिल सके। इसका मतलब है कि अपने सघन प्रयासों के बावजूद वह केवल 53 वोट ही बढ़ा पायी। राज्य में खुद को मजबूत करने का भाजपा का सपना टूट गया है। गुजरात की दो विधानसभा सीटों- विसावदर और कादी- पर उपचुनाव भाजपा, आप और कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि पार्टी 1998 से लगातार राज्य पर शासन कर रही है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गृह राज्य है। दो सीटों में से भाजपा ने एक सीट आप के हाथों गंवा दी, जो दशार्ता है कि राज्य में पीएम मोदी और भाजपा का प्रभाव कम होता जा रहा है, जबकि आप का राजनीतिक प्रभाव बरकरार है, बावजूद इसके कि केंद्र की मोदी सरकार ने केंद्रीय जांच एजेंसियों ईडी और सीबीआई के माध्यम से बिना मुकदमा चलाये ही आप के नेतृत्व को राजनीतिक और कानूनी रूप से कुचल दिया है। सबसे पहले विसावदर सीट की बात करते हैं, जहां आप विधायक भूपेंद्र भयानी के सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने के बाद उपचुनाव हुए। आप के उम्मीदवार इटालिया गोपाल ने फिर भी भाजपा के उम्मीदवार किरीट पटेल के खिलाफ 17554 वोटों के अंतर से सीट जीत ली। आप उम्मीदवार को 75942वोट मिले, जबकि भाजपा को 58388 वोट मिले हैं। यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, और भाजपा के लिए अधिक चिंताजनक है, क्योंकि 2022 के विधानसभा चुनाव में उसे मिले 59147 वोटों से उसके वोट में गिरावट आयी है। भाजपा के लिए अतिरिक्त चिंता आप के वोटों में तेज वृद्धि है, जिसने पिछले विधानसभा चुनाव में 66210 वोट हासिल किये थे। कांग्रेस को पिछले चुनाव में 16963 वोटों के मुकाबले इस बार केवल 5501 वोट मिले हैं, जो पार्टी की गिरावट को दशार्ता है। गुजरात की कादी विधानसभा सीट पर भाजपा ने कांग्रेस उम्मीदवार को 39452 मतों के अंतर से हराया है। भाजपा विधायक करशन सोलंकी के निधन के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराना पड़ा। भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र कुमार (राजूभाई) दानेश्वर चावड़ा को 99742 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार रमेशभाई चावड़ा को 60290 वोट मिले। भाजपा के प्रति सहानुभूति के बावजूद, इसके वोट 2021 में इसे मिले107052 वोट से घट गये, लेकिन कांग्रेस को मिले 78858 वोट में तेज गिरावट का सामना करना पड़ा। आप उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे और उसे पिछले चुनाव में मिले 7253 वोटों के मुकाबले केवल 3090 वोट मिले। सभी दलों के वोटों में सामान्य गिरावट को मतदान प्रतिशत में सामान्य गिरावट से समझा जा सकता है। फिर भी, इंडिया ब्लॉक को यह सबक सीखना चाहिए कि अगर वे एकजुट होते हैं तो वे गुजरात में भी भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकते हैं, जो भाजपा के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। आप ने न केवल गुजरात में एक सीट जीती है, उसके मौजूदा विधायक के भाजपा में चले जाने और भाजपा द्वारा आप के रैंक और फाइल को तोड़ने के सभी प्रयासों के बावजूद, बल्कि पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट पर भी जीत हासिल की है। यह उन राजनीतिक विश्लेषकों के लिए आंख खोलने वाली बात होनी चाहिए जो भविष्यवाणी कर रहे थे कि आप जल्द ही एक राजनीतिक पार्टी के रूप में समाप्त हो जायेगी। आप के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने यह जीत हासिल की। आप विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के निधन के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराना पड़ा। आप उम्मीदवार को 35179 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार को 24542 वोट मिले। इससे यह संकेत मिलता है कि आप अभी भी कांग्रेस से आगे है। भाजपा के उम्मीदवार जीवन गुप्ता को केवल 20323 वोट मिले। इस सीट पर 2022 के चुनाव की तुलना में सभी दलों के वोटों में सामान्य गिरावट आयी है, लेकिन कांग्रेस और भाजपा के वोटों में गिरावट आप के मुकाबले ज्यादा तेज है। 2022 के चुनाव में आप को 40443, कांग्रेस को 32931 और भाजपा को 28107 वोट मिले थे। यह दशार्ता है कि आप पंजाब में किसी भी अन्य राजनीतिक दल से ज्यादा मजबूत है और इसलिए राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में इसका भविष्य उज्ज्वल है। भाजपा और कांग्रेस के पास पंजाब में अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंतित होने के कारण हैं। यह शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) पर भी लागू होता है, जिसे 2022 में 10072 वोटों के मुकाबले इस बार केवल 8203 वोट मिले हैं।

ट्रंप और नेतन्याहू ईरान के आगे झुके

नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली, यह बात इस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चरितार्थ हो रही है। ट्रंप के खिलाफ उनके पहले कार्यकाल में दो बार महाभियोग प्रस्ताव लाया जा चुका है, कई कानूनी पचड़ों में ट्रंप फंसे हैं, कब ट्रंप सच बोलते हैं, कब दुनिया को बरगलाते हैं इसका ठिकाना नहीं, लेकिन अब वो इजरायल और ई?ान को धर्म और सत्य के मार्ग से भटका हुआ बताकर उन्हें सद्बुद्धि देने की प्रार्थना ईश्वर से कर रहे हैं। अह्लरङ्ग फीं - ललित सुरजन की कलम से- शिवराज सिंह अखबार निकालेंगे? दरअसल भारतीय समयानुसार सोमवार देर रात से लेकर मंगलवार तक ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ पर कम से कम 10 पोस्ट किए, जिसमें उन्होंने ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम का ऐलान किया। एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'इजराइल और ईरान लगभग एक साथ मेरे पास आए और 'शांति' की अपील की। मुझे यह पता था कि अब शांति का समय आ गया है। दुनिया और मध्य पूर्व ही असली विजेता हैं!' उन्होंने लिखा है, 'दोनों देश भविष्य में जबरदस्त प्रेम, शांति और समृद्धि देखेंगे. उन्हें बहुत कुछ हासिल करना है और अगर वे धर्म और सत्य के मार्ग से भटक गए तो उन्हें बहुत कुछ खोना पड़ेगा।' अह्लरङ्ग फीं - उपचुनाव के नतीजों से इंडिया ब्लॉक पार्टियों को बढ़ावा, भाजपा की चिंता बढ़ी एक अन्य पोस्ट में ट्रंप ने लिखा-सभी को बधाई! इजरायल और ईरान के बीच पूरी तरह से सहमति बन गई है कि 12 घंटों के लिए पूर्ण और संपूर्ण युद्ध विराम होगा (अब से लगभग 6 घंटे बाद, जब इजरायल और ईरान अपने अंतिम मिशनों को पूरा कर लेंगे!), इसके बाद ईरान-इजरायल के युद्ध को समाप्त माना जाएगा! आधिकारिक तौर पर ईरान युद्ध विराम की शुरूआत करेगा और 12वें घंटे में इजरायल युद्ध विराम की शुरूआत करेगा। 24वें घंटे में 12 दिवसीय युद्ध के आधिकारिक अंत को दुनिया द्वारा सलामी दी जाएगी। अह्लरङ्ग फीं - आपातकाल के पांच दशक और मौजूदा 'आफतकाल' मैं दोनों देशों इजरायल और ईरान को बधाई देना चाहता हूं कि उनके पास 12 दिवसीय युद्ध को समाप्त करने के लिए सहनशक्ति, साहस और

बुद्धिमत्ता है। यह युद्ध सालों तक चल सकता था और पूरे मध्य पूर्व को नष्ट कर सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और न ही कभी होगा! इसी तरह के कई और पोस्ट ट्रंप ने लिखे हैं, जिसमें जाहिर हो रहा है कि वो एक तरफ दुनिया का सुप्रीम लीडर खुद को मान चुके हैं और दूसरी तरफ उन्हें हर हाल में नोबेल शांति पुरस्कार चाहिए। पता नहीं ट्रंप के मन में ये कैसी कुंठा है कि वे हर वक्त अपना वर्चस्व दिखाने के साथ-साथ दूसरों से अपने लिए तारीफें सुनना चाहते हैं। पाकिस्तान जैसे देश ट्रंप की इस ख्वाहिश को पूरा भी करते हैं। अह्लरङ्ग फीं - ललित सुरजन की कलम से- विदेशों में कालाधन? ट्रंप ने जिस अंदाज में इजरायल और ईरान के बीच युद्धविराम का ऐलान किया, उसी तरह भारत और पाकिस्तान के बीच भी किया था। जिसमें पाकिस्तान तो पूरी तरह अमेरिकी पाले में दिखा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अब तक इसका खुलकर विरोध नहीं किया है। पिछले हफ्ते ट्रंप से फोन पर हुई चर्चा में दावा है कि श्री मोदी ने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया, मगर अमेरिका ने ऐसा कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया और अब भी ट्रंप यही दावा कर रहे हैं। इधर इजरायल ने युद्धविराम मान तो लिया है, लेकिन उसकी अकड़ अब भी दिख रही है, इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से कहा गया है कि सेना ने अपने सभी लक्ष्य साध लिए हैं। साथ ही ईरान को चेतावनी दी है कि अगर वह युद्धविराम का उल्लंघन करेगा तो फिर जवाबी कार्रवाई होगी। वहीं ईरान ने इजरायल पर ट्रंप के ऐलान के बाद कुछ और हमले किए और बता दिया कि अपने लिए फैसला वह खुद लेगा। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अरागची ने साफ कहा है कि अगर इजरायल ने सैन्य अभियान बंद कर दिया, तो 'हमारा भी किसी तरह की जवाबी कार्रवाई करने का कोई इरादा नहीं है।' ईरान का साफ कहना है कि हमले की शुरूआत इजरायल ने की, तो रोकने की पहल भी उसे ही करनी होगी।

बहरहाल, डोनाल्ड ट्रंप सोमवार तक ईरान को परिणाम भुगतने और सत्ता बदलने की धमकी दे रहे थे, फिर एक दिन में उनके विचार कैसे बदल गए, इसके प्रत्यक्ष तौर पर तीन कारण दिखाई देते हैं। पहला, ईरान पर हमले के बाद अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में ट्रंप का विरोध शुरू हो गया। दूसरा, ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का फैसला लिया, जिसके बाद वैश्विक बाजार में घबराहट दिखी, कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने लगीं। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ने वाले इस संकरे से जलमार्ग से 20-25 प्रतिशत तेल और गैस विश्व में भेजा जाता है। इसे बंद करने से एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका सब पर असर पड़ता। अमेरिका ने तो इसके बाद सीधे चीन से अपील की थी कि वह होर्मुज का रास्ता बंद करने से ईरान को रोके। और तीसरा बड़ा कारण ईरान का कतर के अल उदैद एयरबेस पर हमला करना था, जो मध्यपूर्व में अमेरिका का अहम सैन्य अड्डा है। कुछ दिनों पहले ही अमेरिका ने यहां से अपने विमान हटा लिए थे। पिछले महीने ही डोनाल्ड ट्रंप ने इस बेस का दौरा भी किया था। अमेरिका के लिए रणनीतिक तौर पर अहम इस बेस को निशाना बनाकर ईरान ने जाहिर कर दिया कि वह न केवल इजरायल बल्कि अमेरिका पर भी हमला कर सकता है और उसे किसी तरह भी झुकाया नहीं जा सकता।

आपातकाल के पांच दशक और मौजूदा 'आफतकाल'

अनिल जैन
जिस मीडिया को हमारे यहां लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की मान्यता दी गई है, उसकी स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। आज की पत्रकारिता आपातकाल के बाद जैसी नहीं रह गई है। इसकी अहम वजहें हैं बड़े कॉरपोरेट घरानों का मीडिया क्षेत्र में प्रवेश और मीडिया समूहों में ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने की होड़। इस मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति ने ही मीडिया संस्थानों को जनविरोधी, सरकार का पिछलग्गू और कुछ हद तक देशविरोधी बना दिया है। अह्लरङ्ग फीं - ललित सुरजन की कलम से- शिवराज सिंह अखबार निकालेंगे? आपातकाल यानी भारतीय लोकतंत्र का पांच दशक पुराना एक स्याह और शर्मनाक अध्याय.., एक दःस्वप्न.., एक मनहूस और त्रासद कालखंड! दस साल पहले यानी भाजपा के सत्ता में आने और नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के एक साल बाद आपातकाल के चार दशक पूरे होने के मौके पर उस पूरे कालखंड को शिद्दत से याद करते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने देश में फिर से आपातकाल जैसे हालात पैदा होने का अंदेशा जताया था। हालांकि आडवाणी इससे पहले भी कई मौकों पर आपातकाल को लेकर अपने विचार व्यक्त करते रहे थे, मगर यह पहला मौका था जब उनके विचारों से आपातकाल की अपराधी कांग्रेस नहीं, बल्कि उनकी अपनी पार्टी भाजपा हैरान-परेशान होकर बगलें झांक रही थी। वह भाजपा जो कि आपातकाल को याद करने और उसकी याद दिलाने में हमेशा आगे रहती है। अह्लरङ्ग फीं - उपचुनाव के नतीजों से इंडिया ब्लॉक पार्टियों को बढ़ावा, भाजपा की चिंता बढ़ी आडवाणी ने एक अंग्रेजी अखबार को दिए साक्षात्कार में देश को आगाह किया था कि लोकतंत्र को कुचलने में सक्षम ताकतें आज पहले से अधिक ताकतवर हैं और पूरे विश्वास के साथ यह नहीं कहा जा सकता कि आपातकाल जैसी घटना दोहराई नहीं जा सकती। बकौल आडवाणी, 'भारत का राजनीतिक तंत्र अभी भी आपातकाल की घटना के मायने पूरी तरह से समझ नहीं सका है और मैं इस बात की आशंका से इनकार नहीं करता कि भविष्य में भी इसी तरह से आपातकालीन परिस्थितियां पैदा कर नागरिक अधिकारों का हनन किया जा सकता है। आज मीडिया पहले से अधिक सतर्क है, लेकिन क्या वह लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्ध भी है? कहा नहीं जा सकता।

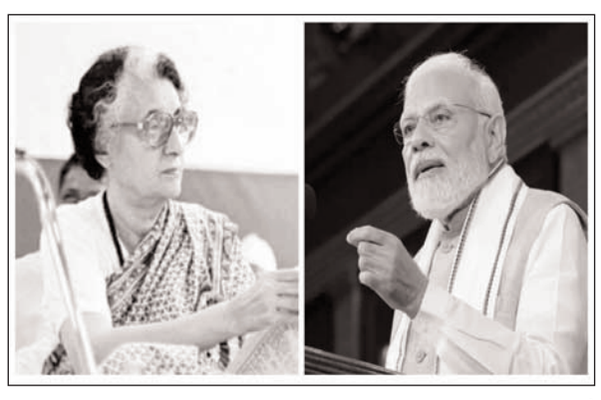

सिविल सोसायटियों ने भी जो उम्मीदें जगाई थीं, उन्हें वे पूरी नही कर सकी हैं।' अह्लरङ्ग फीं - ट्रंप और नेतन्याहू ईरान के आगे झुके आडवाणी का यह बयान यद्यपि दस वर्ष पुराना है लेकिन इसकी प्रासंगिकता तब से अब तक दिनोंदिन बढ़ती गई है। आधुनिक भारत के राजनीतिक विकास के सफर में लंबी और सक्रिय भूमिका निभा चुके एक तजुबेर्कार राजनेता के तौर पर आडवाणी की इस आशंका को अगर हम अपनी राजनीतिक और संवैधानिक संस्थाओं के मौजूदा स्वरूप व संचालन संबंधी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो पाते हैं कि आज देश आपातकाल से भी कही ज्यादा बुरे दौर से गुजर रहा है। अह्लरङ्ग फीं - ललित सुरजन की कलम से- विदेशों में कालाधन? यह सच है कि उस आपातकाल के दौरान देश के तमाम विपक्षी नेताओं और हजारों कार्यकताओं को आंतरिक सुरक्षा कानून मीसा के तहत जेल में बंद कर दिया गया था। जो लोग गिरफ्तार नहीं किए जा सके थे उनके परिजनों को प्रताड़ित किया गया था। जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम के नाम पर लाखों लोगों की जबरन नसबंदी कर दी गई थी और सेंसरशिप के जरिये अखबारों के मुंह पर ताला लगा दिया था लेकिन उस दौरान कहीं सरकार प्रायोजित दंगे नहीं हुए थे और सांप्रदायिक व जातीय आधार पर लोगों को प्रताड़ित नहीं किया गया था। मगर मोदी राज के अघोषित आपातकाल में यह सब संगठित और सुनियोजित रूप से हो रहा है, जिसमें शासन-प्रशासन की भी पूरी भागीदारी है। दैत्याकार बुलडोजर समूची शासन व्यवस्था का प्रतीक बन गया है, जो कहीं विकास के नाम पर तो कहीं कानून-व्यवस्था के नाम पर कभी भी, किसी के भी कच्चे-पक्के मकान-दुकान को देखते ही देखते जमींदोज कर देता है। दूसरी तरफ केंद्र सहित देश के आधे से ज्यादा राज्यों में सत्तारूढ़ या सत्ता में भागीदारी कर रही भाजपा के भीतर भी हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृत्तियां मजबूत हुई हैं, जिनका लोकतांत्रिक मूल्यों और कसौटियों से कोई सरोकार नहीं है। आपातकाल के दौर में उस समय के कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने चाटुकारिता और राजनीतिक बेहयाई की सारी सीमाएं लांघते हुए 'इंदिरा इज इंडिया-इंडिया इज इंदिरा' का नारा पेश किया था। आज भाजपा में तो अमित शाह, जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, देवेंद्र फडणवीस आदि से लेकर नीचे के स्तर तक ऐसे कई नेता हैं जो नरेंद्र मोदी को जब-तब दैवीय शक्ति बताने में कोई संकोच नहीं करते।

वैसे इस सिलसिले की शुरूआत बतौर केंद्रीय मंत्री वेंकैया नायडू ने की थी, जो बाद में उप राष्ट्रपति बनाए गए। यह स्थिति सिर्फ सत्तारूढ़ दल की नहीं है। आज देश मे लोकतंत्र के पहरुए कहे जा सकने वाले ऐसे संस्थान भी नजर नहीं आते जिनकी लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर प्रतिबद्धता संदेह से परे हो। आपातकाल के दौरान जिस तरह प्रतिबद्ध न्यायपालिका की वकालत की जा रही थी, आज वैसी ही आवाजें सत्तारूढ़ दल के साथ-साथ न्यायपालिका के किसी-किसी कोने से भी सुनाई दे जाती हैं। यही नहीं, सत्तारूढ़ दल की ओर से न्यायपालिका को नसीहत भी दी जा चुकी है कि वे फैसले ऐसे दे, जिन पर अमल किया जा सके। कई महत्वपूर्ण मामलों में तो अदालतों के फैसले भी सरकार की मंशा के मुताबिक ही आ रहे हैं। सूचना के अधिकार को निष्प्रभावी बनाया जा चुका है। हाल ही में चुनावों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की गंभीर शिकायतें जिस तरह सामने आई हैं उससे हमारे चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली की साख पर सवालिया निशान लगे हैं। चुनाव में मिले जनादेश को दलबदल और राज्यपालों की मदद से कैसे तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है, उसका नजारा भी हम बीते वर्षों में गोवा, मणिपुर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक आदि राज्यों में देख चुके हैं।

ईरान पर कार्रवाई को लेकर ट्रंप की सराहना, नाटो प्रमुख मार्क रुटे के संदेश सार्वजनिक

एजेंसी

वॉशिंगटन/द हेग। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर नाटो महासचिव मार्क रुटे के संदेश को साझा किया, जिसमें उन्होंने ईरान को लेकर ट्रंप की निर्णायक कार्रवाई की जमकर प्रशंसा की है। मार्क रुटे ने अपने संदेश में लिखा, ईरान में आपकी निर्णायक कार्रवाई के लिए बधाई और धन्यवाद। यह वास्तव में असाधारण था, जो कोई और करने की हिम्मत नहीं कर सकता था। इससे हम सभी अधिक सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यह संदेश उस समय आया है जब ट्रंप नाटो शिखर सम्मेलन में भाग लेने द हेग जा रहे हैं। रुटे ने एक अन्य संदेश में ट्रंप की उस ऐतिहासिक उपलब्धि की भी सराहना की, जिसमें उन्होंने नाटो देशों को सामूहिक रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए सहमत किया। उन्होंने लिखा, आप इस शाम द हेग में एक और बड़ी सफलता की ओर उड़ रहे हैं। यह आसान नहीं था, लेकिन हमने सभी को 5 प्रतिशत पर सहमत कर लिया है। यह बयान उस संभावित निर्णय की ओर इशारा करता है जिसमें नाटो के सभी सदस्य राष्ट्रों को अपनी जीडीपी का कम से कम 5 फीसदी रक्षा पर खर्च करने के लिए बाध्य किया जा सकता है। ईरान पर अमेरिकी हवाई हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ट्रंप की रणनीति को मिली यह पहली बड़ी राजनयिक स्वीकृति है, जो इस बात का संकेत देती है कि उनकी सुरक्षा नीति अब केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रही, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली मानी जा रही है।

अमेरिका में आईसीई ने 11 ईरानी नागरिकों को किया गिरफ्तार

वॉशिंगटन। अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसीई) ने अवैध निवासी के मामले मे पिछले सप्ताह से अबतक 11 ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के अनुसार, सभी व्यक्ति अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे थे और उनमें से कई पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। इस गिरफ्तारी में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड का पूर्व सदस्य मेहरान मकारी साहेली का नाम प्रमुख है, जिसे मिनेसोटा के सेंट पॉल शहर से गिरफ्तार किया गया। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की ओर से जारी बयान में बताया गया कि इनमें से पांच व्यक्तियों के खिलाफ पहले से आपराधिक रिकॉर्ड हैं, जिनमें चोरी, मादक पदार्थों का सेवन/व्यापार और हथियारों की अवैध तस्करी जैसे आरोप शामिल हैं। सभी 11 लोगों पर केवल नागरिक स्तर के आव्रजन उल्लंघनों से अधिक गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, एक अमेरिकी नागरिक को भी गिरफ्तार किया गया है, जिस पर कानून प्रवर्तन अधिकारियों को धमकाने और एक ईरानी नागरिक को शरण देने का आरोप है। एक अधिकारी के अनुसार, इन आरोपितों को संबंधित अदालतों में पेश किया जाएगा और उनके खिलाफ आपराधिक और आव्रजन मामलों में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल-भारत सुरक्षा संबंधी द्विपक्षीय बैठक में कई अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

काठमांडू। सुरक्षा मुद्दों पर बनी भारत-नेपाल द्विपक्षीय सलाहकार समूह (आईएनबीसीजीएसआई) की सोलहवीं बैठक में दोनों पक्षों ने सुरक्षा और रक्षा सहयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे उपकरणों की आपूर्ति, प्रशिक्षण, संयुक्त सैन्य अभ्यास, आपदा राहत अभियानों और सैन्य आदान-प्रदान पर सार्थक चर्चा की। यह दो दिवसीय बैठक 23-24 जून को भारत के पुणे में हुई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारतीय विदेश मंत्रालय में नेपाल डेस्क के प्रभारी अतिरिक्त सचिव मुनू महावर ने किया। इसी तरह नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नेपाल सरकार के विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (दक्षिण एशिया) गहेंद्र राज भंडारी ने किया। बैठक में संबंधित विदेश और रक्षा मंत्रालयों के अधिकारियों के साथ-साथ भारतीय सेना और नेपाली सेना के निदेशालयों के अधिकारी भी शामिल हुए। दोनों पक्षों ने सुरक्षा और रक्षा सहयोग से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे उपकरणों की आपूर्ति, प्रशिक्षण, संयुक्त सैन्य अभ्यास, आपदा राहत अभियानों और सैन्य आदान-प्रदान पर सार्थक चर्चा की। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडलों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए सार्वजनिक और निजी रक्षा क्षेत्र की प्रमुख विनिर्माण सुविधाओं का भी दौरा किया। आईएनबीसीजीएसआई की स्थापना 2003 में हुई थी। यह भारत और नेपाल के बीच एक व्यापक संस्थागत तंत्र है, जो द्विपक्षीय रक्षा और सुरक्षा सहयोग का समन्वय करता है।

इजराइल ने कहा- ईरान ने युद्ध विराम तोड़ा, माकूल जवाब दिया जाएगा

तेल अवीव। इजराइल ने कहा है कि ईरान ने आज युद्ध विराम का उल्लंघन किया है। रक्षामंत्री इजराइल काट्स ने कहा कि इसका ईरान को जोरदार जवाब दिया जाएगा। उन्होंने इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) को तेहरान को जोरदार जवाब देने का निर्देश दिया है। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार के अनुसार आईडीएफ ने कहा कि वह युद्ध विराम के उल्लंघन का बलपूर्वक जवाब देगा। आईडीएफ के अनुसार रक्षामंत्री के निर्देश मिलते ही इजराइल के सैन्य अधिकारी और जनरल स्टाफ के प्रमुख इयाल जमीर ने स्थिति का आकलन किया है। बताया गया है कि ईरान के बीर्शेबा में आवासीय इमारत पर पहले हुए मिसाइल हमले में चार लोगों की मौत हो गई है।

शेख हसीना और दो करीबियों पर पहली जुलाई को तय होंगे आरोप

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके दो शीर्ष सहयोगियों के खिलाफ आज अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 (आईसीटी-1) में आरोप नहीं तय हो सके। आईसीटी-1 ने कहा कि अब आरोप एक जुलाई को तय किए जाएंगे। शेख हसीना के अलावा पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून के खिलाफ आरोप तय किए जाएंगे।

बांग्लादेश के द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार आईसीटी-1 के जस्टिस मोहम्मद गोलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण पीठ ने आज आदेश पारित किया कि भगोड़े आरोपितों असदुज्जमां और हसीना के लिए भी बचाव पक्ष के वकील नियुक्त किए जाएंगे। अभियोजन पक्ष ने पहली जून

को तीनों के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, यातना और घातक हथियारों के इस्तेमाल के अलावा अन्य आरोप लगाते हुए औपचारिक आरोप लगाए थे। न्यायाधिकरण ने पहली जून को ही आरोपों पर संज्ञान लेते हुए आज की तारीख मुकर्रर की थी।

अभियोजन पक्ष ने पहली जून को पीठ को बताया था कि शेख हसीना पांच अगस्त से भारत में हैं। असादुज्जमां भी वहीं छुपा हुआ है। पूर्व पुलिस प्रमुख मामून हिरासत में हैं। अभियोजन पक्ष ने उन्हें आज पीठ के समक्ष पेश किया। तीनों पर मानवता के विरुद्ध अपराध के पांच आरोप लगाए गए हैं।

पहला आरोपः निहत्थे छात्र प्रदर्शनकारियों पर कानून प्रवर्तन और अवामी लीग के कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा रोकने में विफल रहना। हिंसा करने वालों की सहायता करना। हत्या के लिए उकसाना। प्रदर्शनकारियों को यातना देना।

दूसरा आरोपः प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों को दबाने के लिए घातक हथियारों (हेलीकॉप्टर और ड्रोन सहित) का उपयोग करने का आदेश देना।

तीसरा आरोपः अबू सईद की 16 जुलाई को साजिशन हत्या करवाना।

चौथा आरोपः पांच अगस्त को ढाका के चंखरपुल में छह निहत्थे प्रदर्शनकारियों की हत्या करवाना।

पांचवां आरोपः पांच प्रदर्शनकारियों की गोली मारकर हत्या करवाना। इसके बाद पांचों के शव को जलाने और एक अन्य प्रदर्शनकारी को जिंदा जलाने की कोशिश करना। इसके अलावा आईसीटी-1 ने आज हसीना और 10 अन्य के खिलाफ कुछ लोगों को जबरन गायब किए जाने के मामले में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने की समय सीमा 24 अगस्त तक बढ़ा दी। अभियोजन पक्ष ने दो महीने की मोहलत मांगी थी।

ईरान का ट्रंप को दो टूक जवाब - नहीं रुकेगा परमाणु कार्यक्रम, फिर से शुरू होगा यूरेनियम संवर्धन

एजेंसी

तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान की परमाणु ऊर्जा एजेंसी (ईएओआई) ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया दावे को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगा। ईएओआई के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि ईरान यूरेनियम संवर्धन को दोबारा शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है और यह प्रक्रिया किसी बाहरी दबाव के अधीन नहीं है। ईएओआई ने कहा है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और यह हमारी राष्ट्रीय संप्रभुता और वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। हम अपने अधिकारों से पीछे नहीं हटेंगे। एजेंसी ने आगे कहा कि यूरेनियम संवर्धन की प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के दिशानिर्देशों के तहत की जाएगी, लेकिन राजनीतिक दबाव या समझौतों के आधार पर इसका त्याग नहीं किया जाएगा। ईरान की यह प्रतिक्रिया तब आई जब राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि उनकी पहल से ईरान अब दुनिया का सबसे घातक हथियार यानी परमाणु बम कभी हासिल नहीं कर पाएगा। उन्होंने इस दावे को आधार बनाकर खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित भी किया है।

दूसरी ओर, ईरान-इजराइल के बीच संघर्षविराम लागू होने को ट्रंप ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। हालांकि ईरान ने न सिर्फ इस संघर्षविराम को एकतरफा अमेरिकी प्रचार कहा, बल्कि ट्रंप के परमाणु दावों को भी राजनीतिक लाभ के लिए गढ़ा गया झूठ करार दिया है।

जापान ने पहली बार सतह से जहाज पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया

एजेंसी

टोक्यो। जापान ने पहली बार सतह से जहाज पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया है। ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स ने होक्काइडो में एक प्रशिक्षण मैदान से प्रशांत तटीय जल की ओर एक सिंगल टाइप-88 मिसाइल दागी। जापान ने बुधवार को एक बयान में इस तरह के अपने पहले परीक्षण को वर्तमान गंभीर सुरक्षा माहौल को देखते हुए आवश्यक बताया जापान टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार जापान सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज (एसडीएफ) ने कहा है कि इससे चीन का मुकाबला करने के लिए सैन्य क्षमता में वृद्धि होगी। एसडीएफ आमतौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका के ठिकानों पर सतह से जहाज पर मार करने वाली मिसाइल का अभ्यास करता है, लेकिन वह प्रशिक्षण सत्र महंगे होते हैं और इसमें भाग लेने वाले कर्मियों की संख्या अकसर सीमित होती है। शीर्ष सरकारी प्रवक्ता योशिमासा हयाशी ने बुधवार को

नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस तरह के घरेलू लाइव-फायर अभ्यास सैनिकों को प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे अभ्यास वर्तमान गंभीर सुरक्षा माहौल को देखते हुए द्वीपों और अन्य क्षेत्रों की रक्षा करने की क्षमता को बनाए रखने और सुधारने के लिए हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि अभ्यास किसी विशिष्ट राष्ट्र के उद्देश्य से नहीं किया गया। जापान अपने रक्षा व्यय को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 2 फीसद के नाटो मानक तक बढ़ाने की बहु-वर्षीय प्रक्रिया में है। यह वाशिंगटन के साथ अपने सैन्य गठबंधन को भी मजबूत कर रहा है। साथी ही ताइवान पर चीन के आक्रमण जैसे खतरों के जवाब में अमेरिकी और जापानी सेनाओं को और अधिक चुस्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सहयोगी पार्टी ने ओली सरकार से समर्थन वापसी का दिया संकेत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार को समर्थन दे रही जनता समाजवादी पार्टी नेपाल (जसपा नेपाल) ने सरकार से समर्थन वापस लेने का संकेत दिया है। बजट पेश किए जाने से ठीक पहले समर्थन वापसी के संकेत से ऊपरी सदन से बजट पारित नहीं हो सकता। जसपा नेपाल की केंद्रीय समिति की बैठक में ओली सरकार से समर्थन वापस लेने के लिए संसदीय दल को निर्देश दिया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र यादव ने बुधवार को पत्रकार सम्मेलन कर जानकारी दी है कि पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि ओली सरकार हर मोर्चे पर असफल हो गई है। इतना ही नहीं वो संघीयता को खारिज करने और देश में निरंकुश शासन लादने का प्रयास कर रही है इसलिए पार्टी ने ओली सरकार से समर्थन वापस लेने के

लिए पार्टी के संसदीय दल को निर्देश दिया है। पार्टी प्रवक्ता मनीष सुमन ने कहा कि जल्द ही संसदीय दल की बैठक में सरकार से समर्थन वापस लेने का औपचारिक निर्णय लिया जाएगा। जसपा नेपाल के समर्थन वापसी के साथ ओली सरकार द्वारा पेश किए गए आम बजट के ऊपरी सदन में पारित होना मुश्किल है। ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा में सरकार अल्पमत में आ सकती है।

ईरान के मिसाइल हमले के बाद कतर ने बुलाई जीसीसी की आपात बैठक, दोहा पहुंचे सऊदी विदेश मंत्री

एजेंसी

दोहा/रियाद। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच कतर ने गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) की आपातकालीन बैठक बुलाई है। यह बैठक हाल ही में ईरान द्वारा कतर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे 'अल उदैद एयरबेस' पर मिसाइल हमले के बाद आहूत की गई है। ईरान के इस हमले की खाड़ी देशों ने कड़ी निंदा की है और क्षेत्रीय सुरक्षा पर गहरी चिंता जताई है।

कतर की राजधानी दोहा में आयोजित हो रही इस बैठक में भाग लेने के लिए सऊदी अरब के विदेश मंत्री भी पहुंच चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, इस उच्च स्तरीय बैठक में संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत, ओमान और सऊदी अरब सहित सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं।

जीसीसी की यह आपात बैठक मुख्य रूप से क्षेत्रीय स्थिरता बनाए

रखने, सामूहिक सुरक्षा रणनीति पर चर्चा और भविष्य में ऐसे हमलों को रोकने के लिए संयुक्त कार्रवाई की योजना पर केंद्रित है। बैठक में यह भी चर्चा हो सकती है कि ईरान के साथ भविष्य में संबंधों को कैसे संतुलित किया जाए, ताकि तनाव को और न बढ़ाया जाए।

इस हमले के बाद अमेरिका ने भी स्थिति की समीक्षा की है और अपने सहयोगी देशों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। अमेरिका की ओर से यह भी कहा गया है कि वह अपने मध्य पूर्वी सहयोगियों के साथ मिलकर ईरान के हमलों का प्रभावी जवाब देने को तैयार है।

उल्लेखनीय है कि ईरान ने अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच बीते दिन कतर में स्थित अमेरिकी एयरबेस पर मिसाइलें दागीं थीं, जिसके बाद न केवल अमेरिका बल्कि क्षेत्रीय देशों ने भी इस कार्रवाई की निंदा की। अल उदैद एयरबेस, जो अमेरिकी और गठबंधन सेनाओं के लिए रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, पर हमला जीसीसी सदस्य देशों के लिए सीधे सुरक्षा खतरे के रूप में देखा जा रहा है।

बांग्लादेश में पांच प्रमुख धार्मिक दल मिलकर लड़ेंगे चुनाव

ढाका। बांग्लादेश के पांच प्रमुख धार्मिक दल आगामी आम चुनाव मिलकर लड़ेंगे। पांचों में सहमति हो गई है। इसके लिए एक संपर्क समिति का गठन किया गया है। समिति में हर दल से दो प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं। राष्ट्रीय सहमति आयोग की वार्ता पूरी होने के बाद यह पांचों कौमी मदरसा आधारित दल एक बार फिर विचार-विमर्श करेंगे। ये पार्टियां हैं इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश, खिलाफत मजलिस, बांग्लादेश खिलाफत मजलिस, जमीयत उलमा-ए-इस्लाम और नेजाम-ए-इस्लाम पार्टी। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, यह सभी दल पिछले कई सालों से इस्लामी एकता बनाने के मुद्दे पर लगातार चर्चा कर रहे हैं। 1971 में मुक्ति संग्राम का विरोध करने वाली जमात-ए-इस्लामी को इस संभावित चुनावी गठबंधन में शामिल नहीं किया गया है। इससे पहले इस वर्ष 23 अप्रैल को इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश कार्यालय में इन पांच इस्लामी दलों की संयुक्त बैठक हुई थी।

पतंजलि जमीन घोटाला: पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल बयान दर्ज कराने विशेष अदालत पहुंचे

एजेंसी

काठमांडू। पतंजलि ट्रस्ट जमीन घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से आरोपित बनाए गए नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल बुधवार को विशेष अदालत में अपना बयान दर्ज कराने के लिए पहुंचे हैं। बयान पूरा होने के बाद उनकी जमानत पर आज ही सुनवाई हो सकती है। पतंजलि ट्रस्ट के नाम पर सरकारी जमीन को सस्ते दामों में देने और उसे बेच कर मोटा मुनाफा कमाने के आरोप में नीतिगत निर्णय करने वाले तत्कालीन प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को एंटी करप्शन ब्यूरो ने आरोपित बनाया है। आज इस मामले की पहली सुनवाई हो रही है जिसमें वो अपना बयान दर्ज कराने

पहुंचे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री को विशेष अदालत में सरकारी वकील के समक्ष अपना बयान देना होगा। उनके खिलाफ दायर चार्जशीट के आरोपों को लेकर उनसे सवाल-जवाब किया जाएगा। माधव नेपाल के साथ विशेष अदालत पहुंचे वरिष्ठ अधिवक्ता गोविंद बंदी ने कहा कि सरकारी वकील के समक्ष अगर आज बयान पूरा हो गया तो उनकी जमानत को लेकर भी आज ही विशेष अदालत में बहस की जाएगी।

गोविंद बंदी ने कहा कि बयान के आधार पर अदालत यह तय करेगी कि पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल को न्यायिक हिरासत में भेजना है या फिर वो जमानत पर रह कर भी अपना मुकदमा लड़ सकते हैं। विशेष अदालत के भीतर पूर्व प्रधानमंत्री बयान दर्ज करवा रहे हैं, वहीं उनके सैकड़ों समर्थक अदालत के बाहर जमा हुए हैं। भीड़ को देखते हुए अदालत के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान अभिनंदन को पकड़ने वाला पाकिस्तान का मेजर मोइज मारा गया

जेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान आर्मी स्पेशल सर्विस ग्रुप का मेजर सैयद मोइज अब्बास शाह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीडीपी) के आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। यह वही अफसर बताया जा रहा है, जिसने बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान भारतीय वायु सेना के तत्कालीन विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को फाइटर जेट क्रैश होने के बाद पकड़ लिया था। यह मुठभेड़ दक्षिणी वजीरिस्तान में हुई। मुठभेड़ में 11 आतंकियों के मारे जाने का भी दावा किया जा रहा है।

पाकिस्तान के चैनल दुनिया न्यूज की खबर के अनुसार पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया और जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने दक्षिण वजीरिस्तान जिले के

सरोगा क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान 11 आतंकवादियों को मार गिराया। इस हमले में सात आतंकवादी घायल भी हुए हैं। हालांकि, भीषण गोलीबारी के दौरान मेजर सैयद मोइज अब्बास शाह और लांस नायक जिब्रान उल्लाह की जान चली गई।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस की सूचना से इतर खबरों में कहा जा रहा है कि मेजर सैयद मोइज अब्बास शाह ने ही फरवरी, 2019 में बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान भारतीय वायु सेना के तत्कालीन विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ा था। मेजर शाह का मुठभेड़ में मारा जाना पाकिस्तान आर्मी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। अभिनंदन वर्धमान अब ग्रुप कैप्टन हैं। इंडियन एयरफोर्स के जांबाज अफसर अभिनंदन पाकिस्तान से जब लौटे थे, तो सारे देश ने उन्हें सलामी दी थी। अभिनंदन वर्धमान को उनकी वीरता के लिए भारत ने वीर चक्र पुरस्कार से नवाजा है।

कतर जाने वाली उड़ानों के रद्द होने से यात्रियों को काठमांडू एयरपोर्ट पर गुजारनी पड़ी रात

एजेंसी

काठमांडू। कतर में अमेरिकी बेस पर ईरान के हमले के बाद कतर द्वारा अपना एयरस्पेस बंद किए जाने के कारण बीती रात को काठमांडू से दोहा जाने वाली सभी उड़ानों को रद्द कर दिया गया। इसके कारण कतर जाने वाले यात्रियों को पूरी रात एयरपोर्ट पर ही गुजारनी पड़ी। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से दोहा की तरफ उड़ान भरने को तैयार कतर एयर, जजीरा एयर, नेपाल एयरलाइंस सहित कुछ अन्य विमानों की उड़ान नहीं हो पाने के कारण इन विमानों से यात्रा करने वाले लोगों को रात भर एयरपोर्ट पर ही गुजारनी पड़ी। एयरपोर्ट के प्रवक्ता तेज बहादुर पौडेल ने बताया कि रात 9 बजे नेपाल एयरलाइंस विमान से दोहा जाने वाले यात्रियों को बिठा दिया गया था लेकिन एयरस्पेस बंद होने की जानकारी मिलने के बाद सभी यात्रियों को नीचे उतार दिया गया। पौडेल ने बताया कि नेपाल से दोहा के लिए उड़ान भर चुके एक विमान को ओमान की राजधानी मस्कट की तरफ डायवर्ट किया गया था। दोहा जाने वाली सभी विमानों की उड़ान रद्द होने के कारण यात्रियों को पूरी रात विमानस्थल पर ही गुजारनी पड़ी। रातभर एयरपोर्ट के डिपार्चर लाउंज के बाहर सोने को मजबूर इन यात्रियों की शिकायत रही कि उनके बारे में न तो एयरलाइंस कंपनी के तरफ से और ना ही एयरपोर्ट अथॉरिटी की तरफ से उनके रुकने की कोई व्यवस्था की गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के परमाणु संयंत्र के नष्ट नहीं होने संबंधी रिपोर्ट का खंडन किया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु संयंत्र के नष्ट नहीं होने संबंधी रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया है। इन रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ईरान पर हाल ही में किए गए अमेरिकी हमले तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने में विफल रहे। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे ÷फर्जी खबर÷ बताया है और जोर देकर कहा कि न्यूक्लियर साइट्स ÷पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं।÷ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को %ट्रुथ सोशल% पर लिखा, ÷फर्जी खबर, सीएनएन ने न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ मिलकर इतिहास के सबसे सफल सैन्य हमलों में से एक को नीचा दिखाने की कोशिश की है। ईरान में परमाणु स्थल पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स और सीएनएन दोनों को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, दो अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स सीएनएन और न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी की एक तथाकथित रिपोर्ट का हवाला देकर हुए खबर छापी थी। इसमें बताया गया कि ईरान की परमाणु साइट्स पर हमलों से परमाणु कार्यक्रम में सिर्फ कुछ महीनों की देरी हुई है, जबकि हमलों से पहले ईरान के समृद्ध यूरेनियम के अधिकांश भंडार को हटा दिया गया था। फॉक्स न्यूज से बातचीत में अमेरिका के मध्य पूर्व के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने रिपोर्ट लीक होने को देशद्रोह करार देते हुए कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए। स्टीव विटकॉफ ने कहा, ऐसी संवेदनशील जानकारी का लीक होना, चाहे वो किसी भी पक्ष के लिए क्यों न हो, बेहद निंदनीय और देश के लिए खतरनाक है। ये देशद्रोह है, इसलिए इसकी जांच होनी चाहिए। जो भी इसके लिए जिम्मेदार है, उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

इससे भविष्य में लोगों की जान को खतरा हो सकता है। विटकॉफ ने आगे दावा किया, ÷हमने फोर्डो पर 12 बंकर बस्टर बम गिराए। इसमें कोई शक नहीं कि हमने लक्ष्य को भेदा। ये दावा करना कि हम अपने लक्ष्य में सफल नहीं हुए, बिल्कुल ही हास्यास्पद है।

गाजा में विस्फोटक से टकराई बख्तरबंद गाड़ी, सात इजरायली सैनिकों की मौत

एजेंसी

तेल अवीव। इजरायल ने बुधवार को पुष्टि की है कि दक्षिणी गाजा में सैन्य अभियान के दौरान एक विस्फोटक उपकरण के उनकी बख्तरबंद गाड़ी से टकराने के बाद सात सैनिक मारे गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना मंगलवार को उस समय हुई जब एक ऑपरेटिव ने खान यूनुस में चलते हुए एक बख्तरबंद कॉम्बैट इंजीनियरिंग व्हीकल पर बम लगाया, जिसमें सैनिक सवार थे। विस्फोट से सीईवी में आग लग गई और इसे बुझाने के प्रयास असफल रहे। आग की चपेट में आकर गाड़ी में मौजूद सभी सैनिक मारे गए। द टाइम्स ऑफ इजरायल ने अनुसार सीईवी के जले हुए अवशेषों को गाजा से बाहर ले जाया गया है। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बुधवार को शहीद हुए छह सैनिकों के नाम जारी किए और उनके परिवारों को सूचित किया। इन छह सैनिक में लेफ्टिनेंट मतन शाई याशिनोवस्की (21), स्टाफ सार्जेंट रोनेल बेन-मोशे (20), स्टाफ सार्जेंट निव राडिया (20), सार्जेंट रोनेन शापिरो (19), सार्जेंट शाहर मनोआव (21) और सार्जेंट मायन बारुच पर्लस्टीन (20) हैं। अभी सातवें सैनिक की पहचान की पुष्टि नहीं हो सकी है। ये सैनिक आईडीएफ की 605वीं कॉम्बैट इंजीनियरिंग बटालियन बराक फॉर्मेशन (188) से थे।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप: इंटर मियामी और पामेइरास का रोमांचक मुकाबला 2-2 से ड्रॉ

एजेंसी

मियामी। फीफा क्लब वर्ल्ड कप के ग्रुप ए के आखिरी मुकाबले में इंटर मियामी ने दो गोल की बढ़त हासिल करने के बावजूद पामेइरास के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। इस नतीजे के साथ दोनों टीमें नॉकआउट चरण में पहुंच गई हैं, जहां इंटर मियामी का मुकाबला अब यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से होगा मियामी की ओर से तादेओ अलेंदे और लुइस सुआरेज़ ने गोल दागकर टीम को 2-0 की मज़बूत बढ़त दिलाई थी, लेकिन आखिरी 10 मिनट में पॉलिन्हो और मॉरिसियो ने गोल करके पामेइरास को बराबरी पर ला खड़ा किया। दोनों टीमें पांच-पांच अंकों के साथ ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहीं, लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण पामेइरास पहले स्थान पर रही और मियामी दूसरे स्थान पर। इस ड्रॉ के साथ अल-अहली और पोर्तो टूर्नामेंट से बाहर हो गए और दोनों के बीच का मैच 4-4 से ड्रॉ रहा। लियोनेल मेसी की टीम इंटर मियामी अब प्री-क्वार्टर फाइनल में पीएसजी से भिड़ेगी, जहां वह 2021 से 2023 के बीच दो सीज़न खेल चुके हैं। पामेइरास का सामना अब अपने घरेलू प्रतिद्वंद्वी बोटाफोगो से होगा। इंटर मियामी के कोच जेवियर माशेरानो ने मैच के बाद कहा, हमारे लिए यह एक शानदार मुकाबला था। दक्षिण अमेरिका की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलना आसान नहीं है। यह मेजर लीग सॉकर के लिए ऐतिहासिक रात है।

वीके पाहुजा वार्षिक तैराकी सांख्यिकी बुलेटिन के 45वें संस्करण का हुआ विमोचन

नई दिल्ली। भारत के तैराकी इतिहास और सांख्यिकीय दस्तावेज़ीकरण को समर्पित वीके पाहुजा वार्षिक तैराकी सांख्यिकी बुलेटिन के 45वें संस्करण का विमोचन एक गरिमामय समारोह में किया गया। इस बुलेटिन का संकलन लेडी श्रीराम कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय तैराक एवं नारी शक्ति पुरस्कार विजेता डॉ. मीनाक्षी पाहुजा ने किया। यह बुलेटिन न केवल भारतीय तैराकी के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को संजोता है, बल्कि इसे आंकड़ों और विश्लेषणों के ज़रिये भविष्य के खिलाड़ियों के लिए भी एक मार्गदर्शक बनाता है। बुलेटिन की पहली प्रति भारत के वरिष्ठतम तैराकी प्रशिक्षक केवी शर्मा को भेंट की गई। इस आयोजन में भारतीय खेल प्राधिकरण की दो महिला कोचों- परमपाल जोहल और चंदा बरुआ को तीन दशकों से अधिक सेवा के लिए नारी शक्ति को सलाम÷ के तहत सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रसिद्ध पैरा तैराकी कोच रणबीर, उनके दो शिष्य हिमांशु नांदल और अमन शर्मा, तथा साई-ग्लेनमार्क अकादमी के कोच देबेश्वर के साथ दो युवा तैराक युवराज सिंह और ध्रुव सेजवाल को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

शुभमन गिल की मैदान पर आभा रोहित और विराट जैसी प्रभावशाली नहीं : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान

लीड्स। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के शुरूआती टेस्ट में पांच विकेट से शिकस्त मिलने के बाद भारत के नए कप्तान शुभमन गिल की रणनीति की आलोचना के बीच पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि 'मैदान पर उनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसा आभा नहीं दिखी। भारत को इस मैच में पांच शतकीय पारियों के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने मैच के पांचवें दिन 371 रन का लक्ष्य पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। रोहित शर्मा के बाद कप्तान के रूप में अपने पहले टेस्ट में गिल को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और हुसैन ने कहा कि यह युवा खिलाड़ी कप्तान के तौर पर 'सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा था। हुसैन ने कहा, 'मैंने देखा कि कोई तरीका ढूंढने की कोशिश कर रहा था। उसके (गिल) पास मैदान पर रोहित और (विराट कोहली) जैसी आभा नहीं दिखी। मुझे लगा कि वह सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा था। उन्होंने कहा, 'जब रोहित और कोहली टीम की कप्तानी कर रहे थे तब आपको देख कर ही समझ आ जाता था कि कौन नेतृत्व कर रहा है लेकिन इस मैच में मुझे लगा कि दो या तीन कप्तान है।

'नहीं, हम अपनी योजना में कोई बदलाव नहीं करेंगे', बुमराह को लेकर गंभीर ने साफ की स्थिति

लीड्स। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि टीम प्रबंधन पहले टेस्ट में हार के बावजूद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ तीन से अधिक टेस्ट मैच खेलने के लिए नहीं कहेगा। बुमराह एकमात्र भारतीय गेंदबाज थे जिन्होंने हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजों के सामने लगातार चुनौती पेश की। बुमराह अपने करियर के दौरान चोटों से जूझते रहे हैं और यही वजह है कि उनके कार्यभार प्रबंधन के तहत टीम प्रबंधन ने उन्हें पांच में से तीन टेस्ट मैचों में खिलाने का फैसला किया था। चार मैच शेष रहने के बावजूद यह योजना नहीं बदली है। गंभीर ने कहा, 'नहीं, हम अपनी योजना में कोई बदलाव नहीं करेंगे। हमारे लिए उनके कार्यभार का प्रबंधन करना अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि आगे काफी क्रिकेट खेलना है और हम जानते हैं कि वह क्या कर सकते हैं।

नीरज चोपड़ा ने जीता ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 का खिताब

एजेंसी

ओस्ट्रावा (चेक गणराज्य)। भारत के भाला फेंक सितारे और मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने 64वें ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता में पुरुष भाला फेंक स्पर्धा का खिताब जीत लिया। यह विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर (गोल्ड लेवल) का प्रतिष्ठित आयोजन था।27 वर्षीय नीरज ने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर का शानदार थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के डोउ स्मिट 84.12 मीटर के साथ दूसरे और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.63 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यह नीरज चोपड़ा की मौजूदा सत्र की तीसरी जीत है। प्रतियोगिता की शुरुआत नीरज ने एक फाउल थ्रो के साथ की थी। दूसरे प्रयास में उन्होंने 83.45 मीटर फेंका और फिर तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर का थ्रो कर बढ़त बना ली। इसके बाद उनके चौथे, पांचवें और छठे प्रयास क्रमशः 82.17 मीटर, 81.01 मीटर और फाउल रहे। नीरज

ने अपने सीजन की शुरुआत साउथ अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में हुई एक इनविटेशनल मीट से की थी, जहां उन्होंने 84.52 मीटर के थ्रो से जीत दर्ज की थी।इसके बाद उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का थ्रो कर पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया, जो उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हालांकि, इस मुकाबले में वह जर्मनी के जूलियन वेबर से पीछे रह गए थे, जिन्होंने 91.06 मीटर फेंककर जीत हासिल की। बाद में पोलैंड के चॉज़ों में हुए जानुस्ज कुसोचिंस्की मेमोरियल में भी नीरज (84.14 मीटर) दूसरे स्थान पर रहे, जबकि वेबर ने 86.12 मीटर के थ्रो से पहला स्थान पाया।

लेकिन पेरिस डायमंड लीग में नीरज ने वापसी करते हुए वेबर को पछाड़ा और अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर के थ्रो से खिताब जीता। नीरज अब अगली बार 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतिरवा स्टेडियम में होने वाली नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेंगे। यह भारत में पहली बार होने वाली अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता होगी। यह आयोजन नीरज चोपड़ा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025: निकोलस जैक्सन पर रेड कार्ड के लिए दो मैचों का प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। चेल्सी के स्ट्राइकर निकोलस जैक्सन को फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के दौरान फ्लेमिंगो के खिलाफ 3-1 से मिली हार में रेड कार्ड मिलने के बाद दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है। यह फैसला फीफा की अनुशासन समिति ने लिया है।

जैक्सन दूसरे हाफ में मैदान पर आने के महज चार मिनट बाद ही फ्लेमिंगो के खिलाड़ी आयर्टन लुकास पर खतरनाक स्टड्स-अप टैकल करने के कारण सीधे रेड कार्ड पा बैठे। यह उनका पिछले चार मुकाबलों में दूसरा रेड कार्ड है। 24 वर्षीय जैक्सन को शुरुआत में एक मैच का स्वतः निलंबन दिया गया था, जिससे वह एस्पेरांस स्पोर्टिव डी ट्यूनिस के खिलाफ होने वाले ग्रुप स्टेज के अंतिम मुकाबले से बाहर हो गए हैं। हालांकि, फीफा की अनुशासन समिति ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए इसे गंभीर फाउल प्ले की श्रेणी में रखा और प्रतिबंध को बढ़ा दिया।फीफा ने अपने आधिकारिक बयान में कहा,निकोलस जैक्सन को फीफा अनुशासन संहिता के अनुच्छेद 14, पैरा 1 (ई) के उल्लंघन के तहत दो मैचों का निलंबन दिया गया है। यह निर्णय अंतिम है और इसके खिलाफ कोई अपील नहीं की जा सकती। मैच के बाद जैक्सन ने सोशल मीडिया पर अपने व्यवहार के लिए माफी भी मांगी थी। अगर चेल्सी अगले चरण यानी प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचती है, तो जैक्सन उस मुकाबले में भी नहीं खेल पाएंगे।

ओलंपिक चैंपियन फ्रेजर-प्राइस नेशनल चैंपियनशिप के साथ करेंगी करियर का समापन

एजेंसी

न्यूयार्क। जमैका की दिग्गज धाविका और तीन बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शेली-ऐन फ्रेजर-प्राइस ने घोषणा की है कि वह इस सप्ताह से शुरू हो रही जमैका राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने करियर की अंतिम दौड़ लगाएँगी। यह मुकाबला उनके शानदार और ऐतिहासिक करियर का अंतिम राष्ट्रीय पड़ाव होगा।

38 वर्षीय फ्रेजर-प्राइस ने पहले ही 2025 में ट्रैक पर वापसी की घोषणा की थी, जिसे उनके अंतिम प्रतिस्पर्धी वर्ष के रूप में देखा जा रहा था। उन्होंने कहा था कि उनका ट्रैक पर अब भी अधूरा काम बाकी है।

(भारतीय समयानुसार) को एक नाइकी कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक विशेष क्षण होगा, क्योंकि अब खोने के लिए कुछ नहीं है, बल्कि सब कुछ पाने को है। फ्रेजर-प्राइस ने 2008 और 2012 ओलंपिक में लगातार दो बार 100 मीटर का स्वर्ण पदक जीता था और 10 बार की विश्व चैंपियन रह चुकी हैं। इस साल की

विश्व चैंपियनशिप, जो 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित की जाएगी, के लिए यह चैंपियनशिप एक क्वालिफाइंग इवेंट भी है। हालांकि, फ्रेजर-प्राइस के लिए पिछली बार का पेरिस ओलंपिक निराशाजनक रहा था, जब वह वॉर्म-अप के दौरान चोटिल हो गई थीं और 100 मीटर सेमीफाइनल में हिस्सा नहीं ले सकी थीं। फ्रेजर-प्राइस का यह फैसला ट्रैक और फील्ड की दुनिया के लिए एक युग के अंत जैसा है, जिन्होंने न केवल पदक जीते, बल्कि एक आदर्श और प्रेरणा के रूप में भी खुद को स्थापित किया।

लीड्स टेस्ट में मिली हार पर गिल ने कहा-हमारी योजना 430-435 का लक्ष्य देने की थी, निचले क्रम ने निराश किया

एजेंसी

लीड्स। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के हाथों 371 रन का विशाल लक्ष्य गंवाने के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बल्लेबाजी और फील्डिंग में हुई गलतियों पर निराशा जताई। गिल ने बताया कि टीम की योजना इंग्लैंड को 430-435 रन का लक्ष्य देने की थी, लेकिन निचले क्रम की लगातार दूसरी नाकामी ने भारत को सिर्फ 364 रन तक सीमित कर दिया। गिल ने मैच के बाद कहा, हमारी योजना थी कि हम लगभग 430-435 का लक्ष्य देकर डिक्लेयर करेंगे। लेकिन हमारे आखिरी छह विकेट सिर्फ 31 रन जोड़ सके, जो निश्चित ही हमारे लिए अच्छी बात नहीं थी। भारत ने पहली पारी में अंतिम सात विकेट 41 रन पर गंवाए थे, जबकि दूसरी पारी में छह विकेट सिर्फ 31 रन में गिर गए। गिल ने कहा कि टीम इस कमजोरी को सुधारने के प्रयास में है। गिल ने कहा, हां, हमने इस पर चर्चा की थी, लेकिन जब आप मैदान पर होते हैं, तो सब कुछ बहुत जल्दी होता है। हमें इस तरह के पतनों से बचना होगा, और फील्डिंग में सुधार करना होगा।

मैच के दौरान भारत ने कुल सात कैच छोड़े, जिनमें से दो अंतिम

पारी में थे। इनमें बेन डकेट भी शामिल रहे, जिन्हें दो बार जीवनदान मिला और उन्होंने 170 गेंदों पर 149 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। गिल ने कहा, ऐसी विकेटों पर मौके बार-बार नहीं मिलते, और हमने कई कैच छोड़े। लेकिन हमारी टीम युवा है, सीखने की प्रक्रिया में है। उम्मीद है कि अगले मैचों में हम इसमें सुधार करेंगे। गेंदबाजी की बात करें तो रवींद्र जडेजा को पांचवें दिन कुछ रफ जरूर मिले, लेकिन वह केवल एक विकेट - बेन स्टोक्स का - ही ले सके। जडेजा ने 24 ओवर में 104 रन देकर एक विकेट लिया। डकेट ने उन्हें रिवर्स स्वीप के जरिए खूब निशाना बनाया और उनके खिलाफ 38 गेंदों में 38 रन बनाए। गिल ने जडेजा के प्रदर्शन का बचाव किया और कहा, उन्होंने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने हमारे लिए मौके बनाए भी, कुछ कैच उछले जो रिषभ ने नहीं देखे। लेकिन ऐसा क्रिकेट में होता है। कई बार मौके आपके पक्ष में नहीं जाते। भारत अब सीरीज में 0-1 से पीछे है और शेष चार टेस्ट मैचों में वापसी करने की चुनौती उसके सामने है।

भारत ने गंवाया लीड्स टेस्ट, इंग्लैंड ने हासिल की रिकॉर्डतोड़ जीत

एजेंसी

लीड्स। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ खेले गए लीड्स टेस्ट में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट से जीत दर्ज की और पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे मेजबान टीम ने केवल पांच विकेट खोकर अंतिम दिन हासिल कर लिया।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने दिखाया दम

खेल के पांचवें दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 350 रन बनाने थे, लेकिन बेन डकेट (149) और जैक क्रॉली (65) ने 188 रन की दमदार साझेदारी कर भारत को बैकफुट पर ढकेल दिया। डकेट ने अपने करियर का छठा टेस्ट शतक जड़ा और 149 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। हालांकि बीच में भारत को थोड़ी उम्मीद तब बंधी जब ऑली

पोप और हैरी ब्रूक लगातार दो गेंदों में आउट हो गए, लेकिन इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स (33) और जो रूट (नाबाद 53) ने साझेदारी कर इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। जैमी स्मिथ भी 44 रन बनाकर अंत तक रूट के साथ टिके रहे और इंग्लैंड को जीत दिलाई।

भारतीय गेंदबाज और फील्डिंग रही बेदम

भारत की हार में उसकी गेंदबाजी और फील्डिंग दोनों कमजोर कड़ी साबित हुईं। तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज एक भी विकेट नहीं ले सके। शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट जरूर लिए लेकिन वे काफी महंगे साबित हुए। इसके अलावा भारत ने मैच में कुल 6 कैच टपकाए, जिनमें से चार अकेले यशस्वी जायसवाल ने छोड़े।

इस जीत के साथ इंग्लैंड ने पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की अहम बढ़त बना ली है। भारत को अब वापसी के लिए अगले टेस्ट में बेहतर गेंदबाजी और फील्डिंग प्रदर्शन की जरूरत होगी।

लीड्स टेस्टः आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर ऋषभ पंत के खाते में जुड़ा एक डिमेरिट अंक

एजेंसी

हेडिंग्ले, (लीड्स)। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत को लीड्स में चल रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान मैदान पर अनुचित व्यवहार के लिए आईसीसी की आचार संहिता का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। इसके तहत पंत को आधिकारिक रूप से फटकार लगाई गई है और उनके अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ दिया गया है। आईसीसी के अनुसार, पंत ने आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन किया है, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्णय पर असहमति ओप्रकट करने से संबंधित है। यह घटना इंग्लैंड की पारी के 61वें ओवर के दौरान हुई जब हैरी ब्रूक और बेन स्टोक्स बल्लेबाज़ी कर रहे थे। इस दौरान पंत ने गेंद की स्थिति पर अंपायरों से चर्चा की और गेंद बदलने की मांग की। लेकिन अंपायरों द्वारा गेंद गेज से जांच के बाद गेंद न बदलने का फैसला करने पर पंत ने नाराज़गी जताते हुए गेंद को अंपायरों के सामने ज़मीन पर फेंक दिया। हालाँकि, पंत ने तुरंत अपनी गलती स्वीकार कर ली और आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, जिससे कोई औपचारिक अनुशासनात्मक सुनवाई नहीं हुई। यह आरोप मैदान पर मौजूद अंपायर क्रिस गैफनी और पॉल रीफेल, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद और चौथे अंपायर माइक बर्न्स ने मिलकर लगाए थे।

केन्द्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने किया साईं-एसटीसी अगरतला का दौरा

एजेंसी

अगरतला। केंद्रीय युवा कार्य और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे त्रिपुरा के दौरे पर रहीं। अपने 'पूर्वोत्तर संपर्क सेतु' कार्यक्रम के अंतर्गत उन्होंने खेल प्राधिकरण (साईं) द्वारा संचालित स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर (एसटीसी), अगरतला का आकस्मिक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं, कोचों की मेहनत और खिलाड़ियों की प्रगति का बारीकी से अवलोकन किया।

साईं-एसटीसी अगरतला, विशेष रूप से जिमनास्टिक प्रशिक्षण के लिए प्रसिद्ध है, जहां चयनित युवा एथलीट गहन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। राज्य सरकार के सहयोग से स्थापित यह केंद्र पूर्वोत्तर भारत के खेल विकास की रीढ़ के रूप में देखा जाता है। मंत्री ने प्रशिक्षण उपकरणों,

हॉस्टल सुविधाओं, खिलाड़ियों के आहार, चिकित्सा और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सेवाओं का गहन निरीक्षण किया। मंत्री ने खिलाड़ियों से सीधा संवाद भी किया और उनके सपनों, चुनौतियों और आकांक्षाओं को जानने का प्रयास किया। कई युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की अपनी महत्वाकांक्षाएं साझा कीं। इस पर भावुक प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री खडसे ने कहा, इन युवाओं में भारत का उज्ज्वल भविष्य है। केंद्र सरकार इनकी सफलता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने देशके दीर्घकालिक विकास लक्ष्य इंडिया@2047 के तहत खेल क्षेत्र को एक प्रमुख स्तंभ बताया और कहा कि साईं केंद्रों के माध्यम से जमीनी स्तर से खिलाड़ियों को तैयार कर अंतरराष्ट्रीय मंचों विशेष रूप से ओलंपिक 2028 और 2032 के लिए तैयार किया जा रहा है। अपने दौरे के अंत में मंत्री ने त्रिपुरा के युवाओं के जोश, प्रतिभा और विज्ञान व खेल के प्रति उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा, ÷पूर्वोत्तर भारत न केवल भौगोलिक दृष्टि से, बल्कि मानव संसाधन, कौशल और ऊर्जा के लिहाज़ से भी भारत के उज्ज्वल भविष्य की रीढ़ है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार उनके प्रयासों को हरसंभव सहयोग और समर्थन देती रहेगी।

भारत के निचले क्रम को दो बार आउट करना निर्णायक रहा : बेन स्टोक्स

लीड्स। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पहले टेस्ट में भारत पर मिली पांच विकेट से जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया है जिन्होंने भारत के निचले क्रम को दो बार आउट किया। जीत के लिए 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली ने पहले विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी की। स्टोक्स ने हालांकि कहा कि मैच का पलड़ा उसी समय उनके पक्ष में हो गया था जब इंग्लैंड के गेंदबाजों ने भारत को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'यह बल्लेबाजी के लिए अच्छी विकेट थी। बड़े स्कोर से इसका पता चलता है। लेकिन मैच का निर्णायक पल यही था कि हमने दो बार भारत के निचले क्रम को आउट कर दिया।

काउंटी क्रिकेट डेब्यू में तिलक वर्मा ने जड़ा शानदार शतक

एजेंसी

चेल्मसफोर्ड। भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने काउंटी चैंपियनशिप में अपने डेब्यू मैच में शतक जड़कर शानदार शुरुआत की। हैम्पशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने एसेक्स के खिलाफ काउंटी ग्राउंड, चेल्मसफोर्ड में यह कारनामा किया। नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने उतरे तिलक ने अपने अपने कल के स्कोर 98 को आगे बढ़ाते हुए 239 गेंदों में अपना छठा फर्स्ट क्लास शतक पूरा किया। हालांकि, वे इसके तुरंत बाद साउथ अफ्रीकी ऑफ-स्पिनर साइमन हार्मर का शिकार हो गए। उन्होंने 241 गेंदों में 100 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल थे।

इस बल्लेबाज ने इंग्लैंड के इंटरनेशनल ऑलराउंडर लियाम डॉसन के साथ पांचवें विकेट के लिए 133 रनों की अहम साझेदारी की। डॉसन ने इस दौरान अपना 18वां फर्स्ट क्लास शतक भी पूरा किया।

तिलक वर्मा ने अब तक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में छह शतक लगाए हैं– जिनमें से तीन रणजी ट्रॉफी में हैदराबाद के लिए, एक इंडिया ए की ओर से न्यूजीलैंड ए के खिलाफ और एक दलीप ट्रॉफी में पिछले साल आया था।

हालांकि, तिलक ने 2019 में फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था, लेकिन उनके सभी छह शतक पिछले तीन वर्षों (सितंबर 2022 के बाद) में आए हैं। मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले तिलक वर्मा का आईपीएल 2025 सीजन कुछ खास नहीं रहा था, जिसमें उन्होंने 13 पारियों में 31.8 की औसत और 138.30 के स्ट्राइक रेट से

343 रन बनाए थे। इस दौरान वे सिर्फ दो अर्धशतक ही लगा सके थे।

फर्स्ट हॉकी इंडिया मास्टर्स कप:क्वार्टर फाइनल मुकाबले संपन्न, सेमीफाइनल के लिए टीमें तैयार

एजेंसी

चेन्नई। फर्स्ट हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 अब अपने रोमांचक नॉकआउट चरण में प्रवेश कर चुका है। खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के बाद महिलाओं और पुरुषों की श्रेणियों में सेमीफाइनल के लिए टीमें तय हो गई हैं। टूर्नामेंट अब खिताब की होड़ में और ज्यादा प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है।

महिला वर्ग:

तमिलनाडु 3-1 कर्नाटक

तमिलनाडु की ओर से चित्रा (18'), रसना सुरेश बाबू (22') और सौम्या (39') ने शानदार गोल किए, जबकि कर्नाटक के लिए रोहिणी एमआर (57') ने अंतिम क्षणों में सांत्वना गोल किया।

ओडिशा 10-0 केरल

सरिता लकड़ा (14', 32', 36', 46', 50') ने पांच गोल दागे और प्रमुख स्कोरर रहीं। उनके साथ मिन्ज सरिता रोशन (23', 26', 43') ने हैट्रिक पूरी की और कप्तान लुसेला एक्का (8') व प्रतिमा एक्का (11') ने भी योगदान दिया।

हरियाणा 8-0 हिमाचल प्रदेश

चिंगशुबम संगई इबेमहाल (2', 12', 26', 33') ने चार गोल किए। निशि शिवेंद्र सिंह (4'), सोनिका यादव (8'), कप्तान प्रीतम सिवाच (27') और अंचल वर्मा (54') ने भी एक-एक गोल कर टीम को सेमीफ़ाइनल में पहुंचाया।

पंजाब 13-0 महाराष्ट्र

कप्तान अमनदीप कौर (2', 7', 19', 20', 54') ने पांच गोल किए, जबकि बलजीत कौर मारार (3', 31', 44', 46') ने चार

गोल दागे। अन्य गोल संजना शर्मा (23'), अरुण बाला (29'), संगीता मिन्ज (37') और जसप्रीत कौर (58') ने किए।

महिला वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में तमिलनाडु का सामना ओडिशा से और हरियाणा का सामना पंजाब से होगा।

पुरुष वर्ग:

महाराष्ट्र 2-1 कर्नाटक

कर्नाटक के लिए परमेश केएस (15') ने शुरुआत में गोल किया, लेकिन कप्तान धनंजय महाडिक (19') ने बराबरी दिलाई। संदीप गणेश मोरे (39') ने निर्णायक गोल कर महाराष्ट्र को सेमीफ़ाइनल में पहुंचाया।

चंडीगढ़ 2-2 (एसओ 3-1) हरियाणा

हरियाणा के लिए विवेक दहिया (29') और जितेंद्र कुमार (47') ने गोल किए, जबकि चंडीगढ़ के रवींद्र सिंह (43', 58') ने दो गोल कर मैच बराबर किया। शूट-आउट में गोलकीपर अरूंदीप संघोत्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन बचाव किए। चंडीगढ़ के लिए रवींद्र सिंह, संजीव कुमार और विक्रम सैनी ने शूट-आउट में गोल कर जीत पक्की की। पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में तमिलनाडु का सामना महाराष्ट्र से और ओडिशा का सामना चंडीगढ़ से होगा।

तमन्ना भाटिया

से ब्रेकअप के बाद Vijay Verma की लाइफ में प्यार की एंट्री! आमिर खान की एक्स रयूमर्ड गर्लफ्रेंड पर आया दिल

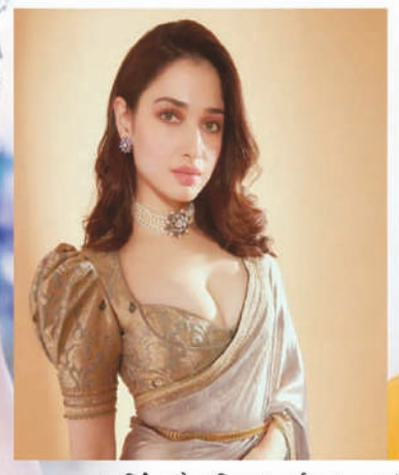

डार्लिंग्स फेम विजय वर्मा इस वक्त बॉलीवुड के सबसे चर्चित बैचलर्स में से एक हैं। जहां एक ओर उनकी शानदार एक्टिंग की खूब तारीफ होती है। वहीं उनकी पर्सनल लाइफ हमेशा सुर्खियों में रही है।

कुछ समय पहले विजय तमन्ना भाटिया के साथ रिलेशनशिप में थे, और दोनों को कई बार साथ देखा भी गया था हालांकि अब रिपोर्ट्स के अनुसार, विजय और तमन्ना का ब्रेकअप हो चुका है।

अब विजय वर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। खबरें हैं कि विजय वर्मा को एक बार फिर प्यार मिल गया है।

उनका नाम एक्ट्रेस फातिम सना शेख के साथ जोड़ा जा रहा है। दरअसल, हाल ही में विजय और फातिमा को साथ में एक कैफे में देखा गया था।इसके बाद से उनके अफेयर की खबरों से अफवाहों का बाजार गर्म हो गया। विजय और फातिमा ने अभी तक डेटिंग की खबरों पर ऑफिशियली रिएक्ट नहीं किया।

डार्लिंग्स फेम विजय वर्मा इस वक्त बॉलीवुड के सबसे चर्चित बैचलर्स में से एक हैं। जहां एक ओर उनकी शानदार एक्टिंग की खूब तारीफ होती है। वहीं उनकी पर्सनल लाइफ हमेशा सुर्खियों में रही है। कुछ समय पहले विजय तमन्ना भाटिया के साथ रिलेशनशिप में थे, और...

बता दें कि विजय और फातिमा फिल्म गुस्ताख इश्क में साथ काम कर रहे हैं। दोनों की फिल्म का पोस्टर भी रिलीज हो गया है।विजय और तमन्ना की बात करें तो वो लस्ट स्टोरी 2 के सेट पर मिले थे।

इस सीरीज में दोनों ने बोल्ड सीन्स दिए थे। मार्च 2025 में उनके ब्रेकअप की खबरें आई थीं। दोनों के ब्रेकअप का कारण अभी तक सामने नहीं आया है। वहीं फातिमा सना शेख ने दंगल जैसी फिल्में की हैं। उनका नाम आमिर खान के साथ भी जुड़ा था।

पहले रिजेक्ट की फिल्म, फिर कही ऐसी बात, आमिर ने तोड़ दिया था शाहरुख-ऐश्वर्या के डायरेक्टर का दिल

अक्सर देखने में आता है कि जो फिल्में दर्शकों का दिल जीत लेती हैं उसे कई सेलेब्स नकार देते हैं. बात शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय की फिम 'जोश' की ही कर लेते हैं जो कल्ट क्लासिक फिल्मों में शामिल है, लेकिन ये पिक्चर आमिर खान को बिल्कुल पसंद नहीं आई थी. ये खुलासा हाल ही में फिल्म के डायरेक्टर मंसूर खान ने किया है.

मंसूर खान के डारेक्शन में बनी जोश जून 2000 में रिलीज हुई थी. इसकी रिलीज के 25 साल पूरे हो चुके हैं. इसमें शाहरुख खान ने मैक्स का किरदार निभाया था. ऐश्वर्या राय, शर्ली नाम के किरदार में थीं. चंन्द्रचूड़ सिंह राहुल के किरदार में दिखाई दिए थे. बॉक्स ऑफिस पर ये ब्लॉकबस्टर या सुपरहिट साबित नहीं हुई थी, लेकिन रिलीज के बाद इसे कल्ट क्लासिक फिल्मों में गिना जाने लगा था.

आमिर-शाहरुख दोनों के लिए लिखी गई थी स्क्रिप्ट

मंसूर ने हाल ही में स्क्रीन को दिए इंटरव्यू में बताया कि जोश की कहानी आमिर खान और शाहरुख दोनों को ध्यान में रखते हुए लिखी गई थी. दोनों को ही इसकी की कहानी सुनाई गई थी और दोनों ही मैक्स का किरदर निभाने में दिलचस्पी दिखा रहे थे. लेकिन मंसूर शाहरुख को मैक्स का किरदार देना चाहते थे और आमिर को रोमांटिक रोल. लेकिन उन्होंने दोनों को ही ये बात बताई नहीं थी. वहीं जब दोनों को मैक्स का किरदार पसंद आ गया तो मंसूर के लिए मुश्किलें खड़ी हो गईं. पहले उन्होंने आमिर को कहानी सुनाई थी इसके बाद वो शाहरुख के पास गए. शाहरुख भी मैक्स का रोल चाहते थे. ऐसे में मंसूर ने पूछा कि क्या वो फिल्म करेंगे, लेकिन शाहरुख को लगा कि मैक्स का रोल तो आमिर करने वाले हैं तो उन्होंने पहले इनकार कर दिया था.

आमिर ने रिजेक्ट की फिल्म

जब शाहरुख ने आमिर को फिल्म मिलने की सोच के साथ इसे करने से इनकार किया तो मंसूर ने सोचा कि देखते हैं अब आगे चीजें किस तरह से बढ़ती हैं. फिर उन्होंने जब आमिर से फिल्म में काम करने को लेकर सवाल किया तो आमिर ने फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया. इसके बाद रोल शाहरुख की झोली में आया.

आमिर को पसंद नहीं आई 'जोश'

फिल्म रिलीज हुई और चाहे एवरेज रही हो, लेकिन आमिर ने फिल्म को देखा तो ये उन्हें पसंद नहीं आई. मंसूर ने कहा, आमिर ने रिलीज के बाद इसे देखा था और कहा कि उन्हें यह बिल्कुल पसंद नहीं आई. तो मैंने कहा कि ठीक है, कोई बात नहीं. आमिर की बात से मैं निराश था.

समंदर में शार्क मछलियों के बीच फंस गए थे अक्षय कुमार, सिर से निकलने लगा था खून

अक्षय कुमार अपनी एक्टिंग के साथ ही अपने फैंस के बीच अपने इनक्रेडिबल स्टंट और एक्शन के लिए भी जाने जाते हैं. अक्षय अपनी फिल्मों में अपने सभी एक्शन और स्टंट सीन लगभग खुद ही करते हैं. उन्हें बॉलीवुड का सबसे बड़ा एक्शन स्टार कहा जाता है. हालांकि कई बार अक्षय हादसे का शिकार भी हुए हैं. एक बार तो अक्षय शार्क मछलियों के बीच फंस गए थे.बात उन दिनों की है जब अक्षय अपनी फिल्म 'ब्लू' की शूटिंग कर रहे थे. इस फिल्म को ज्यादातर पानी के भीतर ही शूट किया गया था. हालांकि एक सीन के दौरान अक्षय को चोट लग गई थी. वो पानी के 150 फीट अंदर शूट कर रहे थे. जब अक्षय घायल हुए तो इसके बाद उनके पास शार्क आ गई थीं. जो अक्षय को बड़ा नुकसान पहुंचा सकती थीं.

अक्षय ने ऐसे बचाई थी अपनी जान

अक्षय कुमार ने इस हादसे के बारे में अपने एक इंटरव्यू में बात की थी. उन्होंने बताया था कि उन्हें बिना ऑक्सीजन टैंक की मदद के समंदर के अंदर एक सीन शूट करना था. जब इसे शूट किया जा रहा था तो अक्षय का सिर पानी के अंदर डूबे हुए जहाज से टकरा गया था. इससे खिलाड़ी कुमार के सिर से खून बहने लगा था.

बताया जाता है कि अक्षय कुमार के पास उस समय समंदर के बीच कई शार्क भी थीं. उन मछलियों ने अक्षय को घेर लिया था. हालांकि अक्षय तैराकी जानते थे ऐसे में वो तुरंत वहां से निकल गए, जिससे उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ. लेकिन आपको बता दें कि एक्सपर्ट कहते हैं कि शार्क तभी हमला करती है जब उसे ये लगता है कि कोई उसे नुकसान पहुंचा रहा है या नुकसान पहुंचा सकता है.

बॉक्स ऑफिस पर कैसा हुआ था 'ब्लू' का हाल ?

अक्षय कुमार की ये फिल्म साल 2009 में आई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी. करीब 100 करोड़ के बजट में बनी पिक्चर ने भारत में 40 करोड़ रुपये का कारोबार भी नहीं किया था. इसका डायरेक्शन एंथनी डिसूजा ने किया था. अक्षय के साथ फिल्म का हिस्सा संजय दत्त, लारा दत्ता, कटरीना कैफ, जायेद खान और कबीर बेदी जैसे कलाकार भी थे.

मैं और शिवांगी जोशी

अब साथ नहीं..कुशाल टंडन ने किया ब्रेकअप का एलान! पोस्ट कर किया डिलीट, फैंस में मची हलचल

टीवी इंडस्ट्री के दो चर्चित चेहरे कुशाल टंडन और शिवांगी जोशी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। रविवार की सुबह, करीब 2:30 बजे, कुशाल टंडन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक चौंकाने वाला नोट शेयर किया, जिसने फैंस के बीच हलचल मचा दी, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट तब आया जब उन्होंने महज पांच मिनट के भीतर वह पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन तब तक वह इंटरनेट पर वायरल हो चुका था।

पोस्ट में क्या लिखा था ?

कुशाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा मैं सिर्फ उन लोगों से कहना चाहता हूं जिनसे मैं प्यार करता हूं कि मैं और शिवांगी अब साथ नहीं हैं। हमें अलग हुए पांच महीने हो चुके हैं।

कुशाल की अचानक की गई इस घोषणा और फिर उसे हटाने के कारण सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ यूज़र्स का मानना है कि शायद उन्होंने यह पोस्ट किसी भावनात्मक स्थिति किया गया हो, जबकि कुछ फैंस इसे एक रणनीतिक कदम भी मान रहे हैं। पोस्ट डिलीट किए जाने के बाद से कुशाल ने इस बारे में कोई और स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

पहले से ही दिखने लगे थे ब्रेकअप के संकेत

दरअसल, पिछले कुछ समय से फैंस को दोनों के बीच दूरी का अंदाज़ा लगने लगा था। पहले दोनों सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की पोस्ट पर अक्सर एक्टिव रहते थे, लेकिन हाल ही में उन्होंने एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया था। यहा तक कि इंस्टाग्राम पर उनके लाइक्स और कमेंट्स भी गायब हो गए हैं।कई लोगों का मानना है कि शिवांगी ने कुशाल को ब्लॉक कर दिया है। इस वजह से सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर कयास और चर्चाएं तेज़ हो गईं।

कैसे शुरू हुई थी लव स्टोरी ?

कुशाल टंडन और शिवांगी जोशी की पहली मुलाकात टीवी शो बरसातें - मौसम प्यार काके सेट पर हुई थी। यह शो जुलाई 2023 में शुरू हुआ और फरवरी 2024 में बंद हो गया। शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नज़दीकियां बढ़ीं और उन्होंने अक्टूबर 2023 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया था। लेकिन अब एक्टर के डिलीट किए पोस्ट ने फैंस को कंफ्यूजन में डाल दिया है।

उत्तर भारत में बारिश बनी आफत, जनजीवन प्रभावित

राजस्थान से लेकर हिमाचल और उत्तराखंड में तबाही, कांगड़ा-कुल्लू में बादल फटने से 3 की मौत

नई दिल्ली

मानसून की एंट्री कई राज्यों में हो गई है, लेकिन ये बारिश आफत बनकर बरस रही है। गुजरात, राजस्थान, यूपी, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में तेज बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रखा है। कई जगह बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं।

हिमाचल में अचानक आई बाढ़

हिमाचल में भी भारी बारिश ने आफत ला दी है। कांगड़ा और कुल्लू जिलों में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ के बाद से 10 लोग लापता हैं। लापता लोगों का पता लगाने के लिए खोज अभियान तेज कर दिया गया है। बुधवार शाम को भारी बारिश के बाद आई बाढ़ में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोगों के बह जाने की आशंका है। कांगड़ा के मनुनी खड्ड में इंदिरा प्रियदर्शिनी जलविद्युत परियोजना स्थल के पास एक श्रमिक कॉलोनी में तैनात लगभग 15-20 श्रमिकों के खनियारा के मनुनी खड्ड में जल स्तर बढ़ने के बाद बह जाने की आशंका है।

उत्तराखंड में कई जगह लैंडस्लाइड

उत्तराखंड में तेज बारिश के चलते कई जगह लैंडस्लाइड हुई है। इसी के साथ उत्तराखंड के कई जिलों में तेज बारिश के

साथ ही बाढ़ की चेतावनी जारी की है। टिहरी गढ़वाल, नैनीताल, चंपावत, चमोली, पौड़ी गढ़वाल, देहरादून, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में बाढ़ की आशंका है। इस बीच रुद्रप्रयाग जिले के घोलथिर में 18 सीटर बस के अलकनंदा नदी में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 7 लोग घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दिल्ली में मानसून की होगी एंट्री

दिल्लीवाले अभी तक झमाझम बारिश को तरसे हुए हैं। हालांकि, मौसम विभाग के अनुसार, आज से 30 तारीख तक झमाझम बारिश की संभावना है।

महाराष्ट्र में भी जलप्रलय

लगातार भारी बारिश के कारण महाराष्ट्र में भी जलप्रलय आ गया है। शिरपुर, वाशिम में जलभराव हो गया। वहीं, आईएमडी के अनुसार, कर्नाटक के हासन में अगले तीन दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना है। तेज बारिश के कारण शिराडी घाट पर भूस्खलन से यातायात बाधित हुआ।

पानी-पानी हुआ राजस्थान

राजस्थान में भी मानसून एक्टिव हो गया है। इसी के चलते राज्य में 180 एमएम की भारी बारिश हुई है। यहां तक की निचले इलाकों में पानी भर गया है। मौसम विभाग की मानें तो जयपुर, जौधपुर, बीकानेर और जैसलमेर में भारी बारिश की संभावना है।

हिमाचल में बादल फटने से तबाही

कांगड़ा में दो शव बरामद, छह लापता, भारी वर्षा का अलर्ट जारी

शिमला

हिमाचल प्रदेश में मानसून की पहली बड़ी बारिश ने भारी तबाही मचाई है। बीते 24 घंटे में कुल्लू और कांगड़ा जिलों में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। भारी वर्षा के कारण भूस्खलन, सड़कें बंद और बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटे के लिए और अधिक सतर्कता बरतने की चेतावनी दी है।

कांगड़ा जिले के धर्मशाला क्षेत्र में मनुनी खड्ड में बुधवार शाम आई बाढ़ में कई मजदूर बह गए। अब तक दो के शव बरामद हो चुके हैं, जबकि छह लापता हैं। लापता मजदूरों में दो उत्तर प्रदेश से, तीन नूरपुर से और एक चंबा से हैं। इनकी खोज में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस की टीमें लगी हैं। राहत एवं बचाव कार्य तेजी से जारी हैं और जिला प्रशासन स्वयं मौके पर निगरानी कर रहा है। प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। निमार्णाधीन हाइड्रो प्रोजेक्ट में कार्यरत अन्य मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। उपायुक्त कांगड़ा ने भ्रामक अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है और स्पष्ट किया है कि अब तक दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। उधर कुल्लू के बंजार व सैंज क्षेत्र में भी बुधवार को बादल फटने से तीन लोग बह गए हैं। इलाके में कई वाहन, छोटे पुल और एक बिजली परियोजना को नुकसान पहुंचा है। बाहंग क्षेत्र में तीन दुकानें बह गईं जबकि नेशनल हाईवे-3 पर यातायात अस्थायी रूप से बाधित हुआ था जिसे अब बहाल कर दिया गया है। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में स्थिति फिलहाल सामान्य है, लेकिन काजा-सुमदो और दारचा-शिंकुला सड़क मार्ग पर बाढ़ और भूस्खलन के कारण आवागमन बाधित है। बीआरओ इन मार्गों को बहाल करने में जुटा है। प्रदेशभर में अब तक 171 सड़कें भूस्खलन या जलभराव के कारण बंद हैं। 550 से अधिक बिजली ट्रांसफार्मर ठप होने से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली संकट गहराया है। शिमला स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने कांगड़ा, मंडी, शिमला और सोलन जिलों के लिए आज गुरूवार के लिए भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया है। चंबा, सिरमौर और मंडी सहित अन्य जिलों में अचानक बाढ़ की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक वर्षा का सिलसिला जारी रह सकता है

राष्ट्रपति ने सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का हालचाल लिया

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन से मुलाकात की। सर गंगाराम में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचीं राष्ट्रपति ने शिबू सोरेन के बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी से मुलाकात कर शिबू सोरेन के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को नई दिल्ली में सर गंगाराम कैंसर सेंटर का उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य कैंसर रोगियों को व्यापक देखभाल प्रदान करना है। राष्ट्रपति ने इस दौरान अत्याधुनिक सुविधाओं का अवलोकन किया और रोगियों से बातचीत की। उद्घाटन के दौरान स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और सांसद बांसुरी स्वराज भी मौजूद रहीं। उल्लेखनीय है कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन पिछले पांच दिनों से सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं। 81 वर्षीय सोरेन का गंगाराम अस्पताल में इलाज चल रहा है।

लोकतंत्र पर गहरा आघात था आपातकाल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 25 जून 1975 की मध्य रात्रि से लागू हुआ आपातकाल हमारे लोकतंत्र पर एक गहरा आघात था। वह संविधान और लोकतंत्र की हत्या थी। वह देश के लोकतंत्र का एक ऐसा काला अध्याय था, जिसे देश कभी नहीं भूल पाएगा। नई पीढ़ी को उस दौर में हुई तानाशाही के बारे में बताना जरूरी है और यही कारण है कि केन्द्र सरकार के निदेर्शानुसार हम सभी 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में याद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को एक निजी मीडिया समूह द्वारा आयोजित 'देश के दिल की बात' नामक संवाद कार्यक्रम में सहभागिता कर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने बीते 18 माह में जनकल्याणकारी योजनाओं और नवाचारों के जरिए राज्य सरकार द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की।

सीटीआई ने हेल्थ इंश्योरेंस के बढ़ते प्रीमियम पर वित्त मंत्री को लिखा पत्र

दिव्य दिल्ली : चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री की ओर से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर इंश्योरेंस कंपनियों पर सख्ती की मांग की गई है,सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि हेल्थ इंश्योरेंस पर प्रीमियम बहुत महंगा होता जा रहा है। वित्त मंत्रालय की ओर से इंश्योरेंस कंपनियों की नीतियों और प्रीमियम आदि चीजों पर नजर रखने के लिए इंश्योरेंस रेग्युलेटरी एंड डिवेलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) बनाया गया था, लेकिन इसका काम भी संतोषजनक नहीं रहा है।बृजेश गोयल ने बताया कि हेल्थ इंश्योरेंस के प्रीमियम में

पिछले कुछ वर्षों में 15-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बीमा कवरेज जो 2021-22 में 4.2 प्रतिशत था, वो 2022-23 में घटकर 4 प्रतिशत पर आ गया।

लाइफ इंश्योरेंस कवरेज भी 3.2 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत रह गया था। ऐसे में बहुत लोगों ने अपनी पॉलिसी बीच में ही छोड़ दी है। लगातार प्रीमियम बढ़ते रहने के कारण मिडल क्लास और छोटे व्यापारियों पर इसका बुरा असर पड़ रहा है और उनके घर का बजट भी बिगड़ गया है, जिससे बहुत से लोगों ने पॉलिसी बीच में छोड़ दी। ऐसे में हमने मांग की है कि इस मुद्दे पर तुरंत ध्यान दिया जाए और बीमा कंपनियों पर सख्ती की जाए।हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम को लेकर एक स्पष्ट गाइडलाइन तय होनी चाहिए, क्योंकि अभी हर कंपनी अपने हिसाब से प्रीमियम बढ़ा रही है, जिससे आम आदमी बहुत परेशान है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश: ब्लैक बॉक्स का डेटा रिकवर हुआ

नई दिल्ली

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया हादसे के बाद मिले ब्लैक बॉक्स की जांच से जुड़ी जानकारी साझा की है। मंत्रालय ने बताया है कि 24 जून को फ्रंट ब्लैक बॉक्स से क्रैश प्रोटेक्शन मॉड्यूल (सीपीएम) को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया, 25 जून को मेमोरी मॉड्यूल को सफलतापूर्वक एक्सेस किया गया और इसका डेटा एएआईबी लैब में डाउनलोड किया गया। सीवीआर और एफडीआर डेटा का विश्लेषण जारी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एआई-171 के ब्लैक बॉक्स डेटा का विश्लेषण अभी चल रहा है। कॉकपिट वॉयस

रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) दोनों को बरामद कर लिया गया था, उन्हें दिल्ली ले जाया गया है और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) प्रयोगशाला में डेटा विश्लेषण जारी है।

मंत्रालय ने कहा कि टीम का नेतृत्व एएआईबी के महानिदेशक कर रहे हैं।

इसमें यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के प्रतिनिधि, एक विमानन चिकित्सा विशेषज्ञ और एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) अधिकारी शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक भारत, आईसीएओ शिकागो कन्वेंशन (1944) का हस्ताक्षरकर्ता होने के नाते आईसीएओ अनुलग्नक 13 और विमान (दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच) नियम, 2017 के अनुरूप जांच कर रहा है। एएआईबी ऐसी जांच के लिए नामित प्राधिकारी है और उसने दुर्घटना के एक दिन बाद 13 जून, 2025 को एक बहु-विषयक टीम का गठन किया था। मंत्रालय के अनुसार हैंडलिंग कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) दोनों अहमदाबाद में दुर्घटना स्थल से बरामद किए गए थे।

मुख्यमंत्री का प्रशासन पर पूरा नियंत्रण: डीके शिवकुमार

बंगलूरू

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के भीतर असंतोष की खबरों के बीच उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का बचाव किया है। उन्होंने इन दिनों लगातार सुर्खियों में चल रहे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के प्रशासन पर से नियंत्रण खोने की बात को सिरे से खारिज कर दिया है। शिवकुमार ने कहा कि सीएम ने कोई नियंत्रण नहीं खोया है। ऐसा कुछ नहीं है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि आप (मीडिया) इस मुद्दे को बेवजह तूल दे रहे हैं। शिवकुमार ने आगे कहा कि उन्हें इस तरह की किसी बात की जानकारी नहीं है और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से वह लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी मुद्दे हैं, उन्हें पार्टी के नेता सुलझा लेंगे। बता दें कि हाल ही में कांग्रेस के दो विधायक, बीआर पाटिल (अलंद) और राजू कागे (कागवाड़) ने सरकार के कामकाज पर खुलेआम सवाल उठाए हैं। जहां एक ओर बीआर पाटिल ने आवास विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, जबकि राजू कागे ने विकास कार्यों में देरी और फंड जारी न होने की शिकायत करते हुए इस्तीफे तक की बात कही है। उन्होंने कहा था कि प्रशासन पूरी तरह से ठप हो गया है।

पार्टी में आंतरिक क्लेश का माहौल

कर्नाटक मे कांग्रेस विधायकों की तरफ से अपने ही सरकार के खिलाफ बोलना विपक्षी दलों के लिए निशाना साधने का कारण बना। देखा जाए तो इन बयानों से कांग्रेस सरकार को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। विपक्षी भाजपा और जेडीएस ने सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया व आवास मंत्री बीजेड. जमीर अहमद खान से इस्तीफे की मांग की है। गौरतलब है कि पार्टी में मतभेद की खबरों के बीच बीते बुधवार को दिल्ली से लौटने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दोनों विधायकों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और आश्वासन दिया कि मुद्दों का समाधान किया जाएगा।

आईबीपीएस को परीक्षार्थियों के सत्यापन के लिए आधार के उपयोग की अनुमति: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ी और प्रतिरूपण को रोकने के लिए बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) की ओर से आयोजित परीक्षाओं में उम्मीदवारों के सत्यापन के लिए आधार प्रमाणीकरण के उपयोग की घोषणा की है।

इसका उद्देश्य बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र में भर्ती प्रक्रियाओं की अखंडता को बढ़ावा देना है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने भारत के राजपत्र में एस.ओ.837 (पृष्ठ 1614-15/सी) के तहत प्रकाशित एक अधिसूचना जारी की है, जिसके तहत बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) को स्वैच्छिक आधार पर हां/नहीं या/और ई-केवाईसी प्रमाणीकरण सुविधा का उपयोग करके आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करने के लिए अधिकृत किया गया है।

किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं: अमित शाह

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि भारतीय भाषाएं भारत को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम बनेंगी। शाह ने कहा कि आने वाले समय में केंद्र और राज्यों के प्रशासन में भारतीय भाषाओं का उपयोग और भी बढ़ेगा। वह इसके लिए राज्यों से संपर्क करेंगे और उन्हें समझाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर शाह ने राजभाषा हिन्दी और सभी भारतीय भाषाओं के प्रेमियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, हमें किसी भी भाषा या विदेशी भाषा से विरोध नहीं है, लेकिन आग्रह अपनी भाषा के सम्मान और उपयोग का होना चाहिए। जब तक हम अपनी भाषा में सोचेंगे और गर्व से बोलेंगे नहीं, तब तक गुलामी की मानसिकता से मुक्ति संभव नहीं है।

पंजाब कैबिनेट ने दी औद्योगिक प्लॉट हस्तांतरण नीति को मंजूरी

चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने औद्योगिक प्लॉटों को अस्पतालों, होटलों, औद्योगिक पार्कों और अन्य स्वीकृत मदों के लिए उपयोग की अनुमति देने वाली पंजाब की हस्तांतरण नीति में महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दे दी। इस संबंध में फैसला गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि पहले हस्तांतरण नीति 2008, 2016 और 2021 में लाई गई थी। औद्योगिक संगठनों ने 2021 में लाई गई नीति की कुछ प्रतिबंधात्मक शर्तों पर आपत्ति जताई

थी। इसके जवाब में एक कमेटी ने उद्यमियों की मांगों की समीक्षा की और फ्री होल्ड प्लॉटों पर लागू होने वाले परिवर्तनों का प्रस्ताव दिया। संशोधित नीति के अनुसार औद्योगिक प्लॉट की आरक्षित कीमत का 12.5 प्रतिशत हस्तांतरण शुल्क लागू होगा।

कैबिनेट ने विशेष रूप से पीएसआईईसी के प्रबंधन वाले लीजहोल्ड औद्योगिक प्लॉटों और शेड्स को फ्री होल्ड में बदलने की नीति को भी मंजूरी दे दी। ये प्लॉट और शेड मूल रूप से लीजहोल्ड आधार पर आवंटित किए गए थे।

जिनमें परिवर्तन संबंधी जटिल धाराएँ शामिल थीं, जिसके कारण संपत्ति के लेन-देन में कठिनाइयां आ रही थी। इस नई नीति का उद्देश्य औद्योगिक प्लॉटों के प्रबंधन को सुचारू करना, कारोबार में सुगमता बढ़ाना, आवंटियों के बीच मुकदमेबाजी और अनिश्चितता को कम करना है। इसके अलावा, इस हस्तांतरण से राज्य के लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है। कैबिनेट ने एमएसएमई डेवलपमेंट एक्ट, 2006 के तहत एमएसई फैसिलिटेशन काउंसिल नियम-2021 में संशोधनों को मंजूरी दे दी। वर्तमान में जिला स्तर पर माइक्रो और स्मॉल इंटरप्राइजेज फैसिलिटेशन काउंसिल संबंधित डिप्टी कमिश्नरों के नेतृत्व में काम कर रही हैं। हालांकि, इस एक्ट के तहत अवार्ड्स से संबंधित भुगतानों में देरी हो रही है।

सांप्रदायिक लोग ही धर्म निरपेक्षता का विरोध करते हैं: अखिलेश यादव

लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवाद और धर्म निरपेक्षता की सोच लोगों को करीब लाती है। इनका विरोध करने वाले लोग सांप्रदायिक होते हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर पलटवार किया जिसमें उन्होंने कहा था कि संविधान में धर्म निरपेक्ष और समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात है। अखिलेश यादव ने कहा कि धर्म निरपेक्षता की सोच देश की गंगा-जमुनी तहजीब की हिफाजत करती है। अलग-अलग धर्म के लोगों को एक दूसरे से जोड़ती है। इससे हमारा समाज मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि एकाधिकारीवादी लोग समाजवाद का विरोध करते हैं

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397